प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव
रांची संस्करण
शनिवार 01 मार्च 2025
वर्ष 03 अंक 195
पृष्ठ 8 मूल्य 2/- रुपया

37 वर्ष 1987-2024

श्रमेव जयते, स्पष्टमेव जयते

श्रमबिन्दु

रांची, धनबाद, भिलाई एवं बस्तर से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

डाक पंजीयन क्र. छ. ग. / दुर्ग/ 13/ 2021- 23 | E-mail : srambindu@gmail.com | shrambindu@yahoo.in | आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर दी बड़ी सौगात, कहा

राज्य कर्मियों को अपनी बीमारी के इलाज खर्च के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं

- स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी
- सीमित संसाधनों के बीच समस्याओं को दूर करना प्राथमिकता
- विकास के लिए संकल्पित होकर काम करने की है आवश्यकता

स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर लाखों कर्मियों को एक बड़ी सौगात दी है। झारखंड विधानसभा सभागार में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमारी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर राज्य कर्मियों को सेवा निवृत्ति के बाद भी आर्थिक संबल देने का काम किया है। उसी तरह राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से कर्मियों के समुचित इलाज का पूरा खर्च वहन की दिशा में यह बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसी भी श्रेणी के सरकारी कर्मियों को अपनी बीमारी के इलाज खर्च के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जीवन शैली और कार्य प्रणाली में बदलाव की वजह से स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां आम हो चुकी हैं। अस्पतालों का इलाज काफी महंगा हो चुका है।

सीमित संसाधनों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था कर रहे हैं मजबूत : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में कई चुनौतियां हमारे सामने खड़ी है। इन सब के बाद भी सरकार का प्रयास है कि यहां की विभिन्न समस्याओं को जड़ से समाप्त कर सके। इसी कड़ी में सीमित संसाधनों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने का काम तेज गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी को एक नजरिये से देखती है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिये संकल्पित होकर काम करने की आज आवश्यकता है।

1 मार्च 2025 से लागू हो रही है योजना

राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना 1 मार्च 2025 से लागू हो रही है। पहले चरण में इस योजना का लाभ कार्यरत सभी राज्य कर्मियों को मिलने जा रहा है जबकी अन्य श्रेणी के कर्मियों के लिए यह योजना 1 मई 2025 से लागू होगी। इस योजना का लाभ राज्य के सभी सेवाओं के कर्मी, विधानसभा सदस्य, सेवानिवृत कर्मी, पारिवारिक पेंशन प्राप्तकर्ता एवं उनके आश्रित, राज्य विधानसभा के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत- सेवानिवृत्त पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, निगम, संस्थान, संस्था में कार्यरत - सेवानिवृत्त नियमित कर्मी, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के कार्यरत- सेवानिवृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी तथा निबंधित अधिवक्ताओं को मिलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पैनल में शामिल देश के किसी भी अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का कैशलेश इलाज लाभुक करा सकेंगे। गंभीर बीमारियों की स्थिति में 10 लाख रुपये तक चिकित्सा व्यय का वहन भी किया जायेगा। अगर इलाज में और भी खर्च हो तो कॉरपस फंड से वह उपलब्ध कराया जायेगा। विशेष परिस्थितियों में लाभुकों को एयर एंबुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। कार्यक्रम में स्पीकर रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, संजय प्रसाद यादव समेत कई अन्य मंत्री एवं विधायक गण, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

विधायक सीपी सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी को किया चैलेंज

रांची: झारखंड विधानसभा सत्र के चौथे दिन सीपी सिंह ने इरफान अंसारी को चैलेंज कर दिया. दरअसल इरफान अंसारी ने पीएम मोदी 15 लाख देने वाले बयान पर केंद्र सरकार को सदन में घेरा था. जिसके जवाब विधायक सीपी सिंह ने दिया. उन्होंने इरफान को चुनौती देते हुए कहा कि अगर इस तरह का बयान का प्रमाण वे सदन में दिखा दें तो मैं विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दूंगा.

विधायक सीपी सिंह ने भरी सदन में कहा कि अगर मंत्री इरफान अंसारी प्रधानमंत्री के 15 लाख देने वाले बयान का प्रमाण दिखा दें तो मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा. अगर वह उसे साबित नहीं कर पाये तो उन्हें अपने इस्तीफा देना होगा. इसके बाद विधायक नवीन जायसवाल ने नौकरी से संबंधित मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने 10 लाख नौकरी देने का वादा किया था. लेकिन वो वादा आज तक पूरा नहीं हो सका है.

नवीन जायसवाल ने आगे कहा कि जेपीएससी में आज 1700 से अधिक पद खाली हैं. इसके अलावा आज हर परीक्षा का पेपर लीक हो जा रहा है तो ये पद कहां भरेगा. उन्होंने खास तौर पर नगर पालिका सेनेटरी सुपर वाइजर में भर गये पद पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि 600 से अधिक पदों के लिए ये वैकेंसी आयी थी. लेकिन उसके लिए जो योग्यता मांगी गयी थी उसकी पढ़ाई यहां होती ही नहीं तो यहां के लोगों को नौकरी कैसे मिलेगी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्राइमरी स्कूलों के लगभग 29 हजार शिक्षकों को दिया टैबलेट

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को राज्य के प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को एक महत्वपूर्ण उपहार दिया. धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने बच्चों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से टैबलेट का वितरण किया. इस कार्यक्रम के दौरान राज्य के कुल 28,945 प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों को टैबलेट दिए गए. कार्यक्रम के दौरान विद्यालय रिपोर्ट कार्ड का ऑनलाइन शुभारंभ भी किया गया, जो अब स्कूलों की प्रदर्शन रिपोर्ट को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराएगा. इसके अलावा, शिक्षकों के लिए सत्तत क्षमता विकास कार्यक्रम की शुरुआत भी की गई, जिससे उनकी कार्यकुशलता और शिक्षा के प्रति समर्पण को बढ़ावा मिलेगा.

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज के दौर में डिजिटलाइजेशन ने हर क्षेत्र में अपना प्रभाव छोड़ा है. खेती-बाड़ी से लेकर अन्य व्यवसायों तक, लोग डिजिटल माध्यमों से जुड़ रहे हैं. शिक्षा के क्षेत्र में भी हमने डिजिटल साधनों का इस्तेमाल किया है, जिससे बच्चों को स्मार्ट क्लास और स्मार्ट बोर्ड की सहायता से शिक्षा मिलती है.÷ उन्होंने आगे कहा, ÷हर चीज के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं, और यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस पहलू को चुनते हैं.

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और संबोधित किया. उन्होंने इस दिन को अत्यंत महत्वपूर्ण और खुशी का दिन बताया. उन्होंने कहा, ÷शिक्षकों और बच्चों के बीच सूचना का आदान-प्रदान करने के लिए टैबलेट एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होगा. डिजिटल माध्यम से बच्चे अपना भविष्य बेहतर बना सकते हैं. साथ ही, उन्होंने विद्यालय रिपोर्ट कार्ड को सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसके माध्यम से स्कूलों की प्रगति को ट्रैक करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया.

टैबलेट स्कूल की संपत्ति होगी. इसलिए फिजिकल डैमेज या फिर चोरी आदि हो जाने की स्थिति में संबंधित शिक्षकों से ही इसका हर्जाना वसूला जाएगा. बता दे की सर्वाधिक झारखंड के गिरिडीह जिले में 2776 टैबलेट का वितरण होगा. इसके बाद पलामू जिला में 2323, दुमका जिला में 1797 और पश्चिम सिंहभूम जिला में 1772 टीचर्स को टैबलेट मिलेंगे. जबकि, राजधानी रांची को 1456, गढ़वा को 1265, हजारीबाग को 1201, वहीं, सिमडेगा में 468 ,खूंटी में 491 और रामगढ़ में 468 टैबलेट दिए जाने हैं.

आर्थिक कुप्रबंधन और लूट का, कैग रिपोर्ट दे रही गवाही: बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर सीएजी रिपोर्ट के हवाले से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार का पिछला 5 साल वित्तीय कुप्रबंधन, लूट और भ्रष्टाचार का रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से पिछले 5 साल का श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। झारखंड में चिकित्सा कर्मचारियों की भारी कमी की रिपोर्ट कैग ने दी है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2022 तक चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों के 3,634 स्वीकृत पदों में से 2,210 पद खाली रह गये। ऑडिट में झारखंड के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और पैरामेडिक्स की भारी कमी का खुलासा हुआ है। इसके अलावा आवश्यक दवाओं की गंभीर कमी का भी पता चला। 2020-21 और 2021-22 के बीच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में 65 प्रतिशत से लेकर 95 प्रतिशत तक आवश्यक दवाओं की कमी पाई गई। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में साफ है कि राज्य सरकार कोविड के लिए दी राशि खर्च नहीं कर सकी। रिपोर्ट में जिक्र है कि कोविड.19 प्रबंधन निधि की राशि का समुचित उपयोग नहीं किए जाने के कारण जिला स्तर पर आरटीपीसीआर प्रयोगशालायें रांची में शिशु चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र, सीएचसी, पीएचसी, एचएससी में पूर्व निर्मित संरचनायें एवं तरल चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना नहीं हो पाई। कोविड अवधि के दौरान जिला प्रयोगशालायें स्थापित नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि 19125 करोड़ राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दियाए भ्रष्टाचार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने पर विभागों में भ्रष्टाचार की आशंका जाहिर की गई है।

झारखंड के उत्तर - पश्चिमी जिलों में आज से होगी बारिश

रांची। राज्य के उत्तर पश्चिमी जिलों में शनिवार को हल्की बारिश और एक दो स्थानों पर वज्रपात होने की आशंका है। जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की सम्भावना है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा और लोहरदगा शामिल है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि यह स्थिति पश्चिमी विक्षोभ के चलते पैदा हो रही है। उन्होंने बताया कि राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में इस बदलाव का असर कम देखने को मिलेगा। रांची में इसकी वजह से शनिवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे। वहीं शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री, जमशेदपुर में 32.5, डालटेनगंज में 33.4, बोकारो में 33.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि, जीएसडीपी में दोगुना इजाफा, बजट का आकार 6067 करोड़ से बढ़कर 1.28 लाख करोड़

राज्य में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1,05,275 रु.

जीएसडीपी में 10.7 प्रतिशत की दर से हुई बढ़ोतरी

रांची : झारखंड की अर्थव्यवस्था में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि हुई है। राज्य की जीएसडीपी वर्ष 2011-12 में 1 लाख 50 हजार 918 करोड़ रुपये था, जो इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक स्थिर मूल्यों पर दो गुना और वर्तमान मूल्यों पर तीन गुना से अधिक होने का अनुमान है। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से विधानसभा में पेश वर्ष 2024-25 के झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण में इसका खुलासा। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के स्थिर मूल्यों पर दो गुना और वर्तमान मूल्यों पर तीन गुना से अधिक होने का अनुमान है। वहीं वर्ष 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के स्थिर मूल्यों पर जीएसडीपी में औसतन वार्षिक 7.7 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर जीएसडीपी में 10.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्थिर मूल्यों पर 6.7 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 9.8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

प्रति व्यक्ति आय में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि

इस अवधि में स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय में औसतन वार्षिक 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और चालू मूल्यों पर 9.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2021-22 में 57,172 रुपए से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 65,062 रुपए और चालू मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2021-22 में 88,500 रुपए से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 105274 रुपए हो गई है।

जीएसडीपी में वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

झारखंड के जीएसडीपी के चालू और आगामी वित्तीय वर्षों में भी वृद्धि की गति को बनाए रखने का अनुमान लगाया गया है। राज्य के वास्तविक जीएसडीपी में चालू वित्तीय वर्ष 2024725 में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस प्रकार राज्य के स्थिर मूल्यों पर जीएसडीपी वर्ष 2024-25 में स्थिर मूल्यों पर 304165 करोड़ रुपए और वर्तमान मूल्यों पर 506356 करोड़ रुपए और वर्ष 2025-26 में स्थिर मूल्यों पर 3,26,941 करोड़ रुपए और वर्तमान मूल्य पर 5,56,286 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 में स्थिर मूल्यों पर 68,612 रुपए और वर्तमान मूल्यों पर 1,14,271 रुपए होने का अनुमान है। वहीं स्थिर मूल्यों पर 72836 रुपए और वर्तमान मूल्यों पर 5,56,286 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

झारखंड की विकास दर देश की तुलना में अधिक

राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भी झारखंड के जीएसडीपी में पिछले पांच वर्षों में सुधार हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राज्य का जीएसडीपी वर्ष 2019-20 में 1.54 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1.56 प्रतिशत हो गया। पिछले पांच वर्षों में झारखंड की विकास दर देश की तुलना में अधिक रही है।

बजट का आकार 6067 करोड़ से बढ़कर 1.28 लाख करोड़

झारखंड के बजट का आकर वर्ष 2001-02 में केवल 6067 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2023-24 में 1.07 लाख करोड़ से अधिक का हो गया है। जबकि चालू वित्तीय वर्ष में इसके 1.28 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

न्यूज अपडेट

राज्यपाल तक पहुँचा टाटा कंपनी के विस्थापितों का मामला

जमशेदपुर। टाटा कंपनी के विस्थापितों का प्रतिनिधि मंडल झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से रांची राजभवन में मुलाकात की। इस मुलाकात में विस्थापितों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई, जिनमें पुनर्वास, मुआवजा, नौकरी, विस्थापित प्रमाण पत्र, जमीन वापसी और 1996 के सर्वे खतियान को रद्द करना शामिल है। राज्यपाल संतोष गंगवार ने विस्थापितों को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को जल्द से राज्य सरकार से बात करके मामले का निपटारा किया जाएगा। साथ ही, राज्य के भू सुधार मंत्री दीपक बिरुआ को भी इस मामले में राजभवन बुलाकर बात की जाएगी। विस्थापितों ने बताया कि वे दर-दर भटक रहे हैं और कंपनी के द्वारा उपयोग नहीं किए जा रहे जमीनों को बाहरी लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने अपने अधिकारों की मांग की और अपने भविष्य की चिंता व्यक्त की। विस्थापितों ने राज्यपाल को बताया कि वे कई वर्षों से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वे उनकी मांगों पर ध्यान दें और उन्हें न्याय दिलाएं। प्रतिनिधि मंडल में हरमोहन महतो, दीपक रंजीत, अशोक गौड़, गौर हेमब्रम, अबोध सिंह सरदार, अभिमन्यु गौड़, रामचंद्र महतो, अशीम प्रधान, सोमनाथ मुख़र्जी आदि लोग उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि राज्यपाल के आश्वासन के बाद विस्थापितों की मांगों पर जल्द से जल्द ध्यान दिया जाएगा और उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। हम विस्थापितों के साथ खड़े हैं और उनकी लड़ाई में उनका साथ देंगे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी मामा को 20 साल का सश्रम कारावास

जमशेदपुर। सगे मामा के द्वारा 14 वर्षीया नाबालिग भगिनी के साथ डरा धमका कर दुष्कर्म किए जाने से हुई गर्भवती व गर्भपात कराए जाने के एक मामले में सुनवाई कर रहे एडीजे सह स्पेशल कोर्ट पोस्को न्यायाधीश सिरिश दत्त त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी सगे मामा विशाल कुमार को 20 साल का सश्रम कारावास और दस हजार रूपए का जुर्माना लगाई हैं। जुर्माना नही देने पर तीन माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतने का आदेश दिया हैं। इस मामले में टीएमएच की दो डॉक्टर समेत कुल 13 लोगों की गवाही हुई हैं। अदालत ने आरोपी विशाल को पोस्को की धारा 6 (1) के तहत दी हैं। घटना 14 मई 2022 की हैं। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताई थी कि घटना के कुछ दिन पहले से नाबालिग के पेट में दर्द हो रही थी। घटना के दिन अचानक पेट में दर्द अधिक होने लगा और रक्त स्राव होने लगा। तब परिजन नाबालिग को लेकर टीएमएच इलाज के लिए लेकर पहुंचे।डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि नाबालिग का रक्त काफी मात्रा में निकल चूंकी हैं और वह चार माह का गर्भवती हैं। जिसका गर्भपात भी हो चूंकी हैं। नाबालिग को गर्भपात की दवा दी गई थी। तब जाकर मामला सिदगोड़ा थाना तक पहुंचा था।

लूट और हत्या के आरोप में भरत दोषी, राजेश बरी, एक फरार

जमशेदपुर। लूट व हत्या के एक मामले में सुनवाई कर रहे एडीजे -4 आनंद मनी त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी भरत को दोषी करार दिया हैं। जबकि मामले के अन्य एक आरोपी राजेश मिश्रा को साक्ष्य अभाव में बरी कर दिया। इस मामले से एक फरार हैं। अदालत ने सजा के बिंदू पर एक मार्च शनिवार को सुनवाई करेगी। मामले में कुल आठ लोगों की गवाही हुई हैं। घटना गत 23 जून 2014 की हैं। मृत्युंजय कुमार सिंह के बयान पर तीन अज्ञात युवक के खिलाफ सीतारामडेरा थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया गया था कि वह अपने चाचा सुदामा सिंह के साथ औरंगाबाद से बस से जमशेदपुर आया था। सुबह पांच बजे दोनों मानगो बस स्टैंड पर ऊतरे और शौच के लिए नदी किनारे गए। वह पास में एक युवक शौच कर रहा था। जैसे ही दोनों शौच कर लौटने लगे उक्त युवक ने दोनों को चाकू की नोक पर रोका और लूटपाट शुरू कर दी। चाचा सुदामा के जेब से नकद तीन हजार रूपए, मोबाइल और ड्राइविंग लाइसेंस छीन ली। इतने में उक्त युवक को सुदामा सिंह ने पकड़ लिया और छीने गए सामान मांगने लगा तबतक युवक ने सुदामा पर 7-8 बार चाकू से प्रहार किया। जख्मी होकर सुदामा गिर गया तबतक तीनों युवक वहां से फरार हो गए थे। इस मामले में आरोपी भरत भईया की टीआईपी में चाकू मारने के रूप में पहचान किया गया था।

[9:48 से, 28/2/2025] +91 92342 63763: बिरसानगर में युवक ने की आत्महत्या

जमशेदपुर। बिरसानगर थाना क्षेत्र के जोन नंबर 1 बी में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना गुरुवार देर रात की है. प्राप्त जानकारी अनुसार अविनाश कुमार सिंह (29) कुछ साल पहले से ही वह डिप्रेशन में था. उसके पिता ने बताया कि दस दिन पूर्व ही उनके पिता का देहांत हुआ था, जिससे उनका भाई, बहु सभी गांव गये हुए थे. घर पर अविनाश, उसकी मां और छोटा भाई था। छोटा भाई भी रात में शादी की वीडियोग्राफी करने गया था. करीब 4 बजे छोटा भाई घर लौटा तो उसकी मां ने दरवाजा खोला. तो जब कमरे में गया तो वह अविनाश के बारे में पूछा। अविनाश कमरे में मौजूद नहीं था. छत पर गया तो देखा कि अविनाश फंदे से लटका हुआ है। आनन फानन में उसे उतारकर एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिर इसकी जानकारी पुलिस को दी गयी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमरार्टम करा शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। मृतक रांची के डिप्लोमा कर आदित्यपुर में काम करता था। करोना के बाद से ही वह डिप्रेशन में था, जिसका इलाज रांची में चल रहा था. वहीं उसकी शादी नहीं हुई थी. घर पर शादी की बातचीत चल रही थी।

[9:48 से, 28/2/2025] +91 92342 63763: कपाली में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

जमशेदपुर। मानगो से सटे कपाली ओपी अंतर्गत इस्लाम नगर मज़ार गली में अदाम नामक युवक के बंद पड़े मकान पर अज्ञात चोरों द्वारा लगभग 30 हज़ार रुपय की चोरी कर ली गयी है. जानकारी देते हुए पड़ोसी शबाब द्वारा बताया गया कि घर के सभी लोग मंगलवार को रांची परिजन के घर गए हुए थे, जब गुरुवार की रात वापस अपने घर पहुंचे तो घर के पीछे और आगे का दरवाजा टुटा हुआ था. वहीं घर में रखा 30 हज़ार नगद भी गायब था. फिलहाल पुलिस को इसकी सूचना दे दी गयी है. वही सूचना मिलने पर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज जांच कर रही है।

आवासीय विद्यालयों में सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ बच्चों को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा- डीसी

ऑनलाइन उपस्थिति के अनुसार ही मिलेगा शिक्षकों को वेतन

जमशेदपुर।

समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में आहूत बैठक में जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा शिक्षा विभाग एवं कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान व अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में सभी आवासीय विद्यालयों में बच्चों के नामांकन की स्थिति, शिक्षकों एवं बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति, मैट्रिक एवं इंटर प्री-बोर्ड में बच्चों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में इस वर्ष में नामांकन की अद्यतन स्थिति समेत मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों की आवश्यकता की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि सभी आवासीय विद्यालयों के शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में उदासीन रवैया अपना रहे हैं। उपायुक्त द्वारा सख्त निर्देश दिया गया कि उपस्थिति के अनुसार ही शिक्षकों को वेतन दें। वहीं, बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति रिपोर्ट भेजने में भी विद्यालय प्रबंधन रूचि नहीं दिखा रहे, सभी को सख्त निर्देश दिया गया कि बच्चों और शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थित अनिवार्य है, इसे गंभीरता से लेते हुए ऑनलाइन उपस्थिति रिपोर्ट जिला कार्यालय को जरूर प्रेषित करें। सभी आवासीय विद्यालयों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का भी निर्देश दिया गया। आवासीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता समेत आधारभूत संरचना निर्माण की आवश्कता पर सभी ने अपने प्रस्ताव दिए। केजीबीवी जमशेदपुर में अतिरिक्त क्लासरूम निर्माण, केजीबीवी चाकुलिया में बाउंड्रीवॉल, केजीबीवी घाचशिला में हॉस्टल की क्षमता बढ़ाये जाने, केजीबीवी बहरागोड़ा में शौचालय व आवासन के लिए डोरमेट्री निर्माण, केजीबीवी गुड़ाबांदा में प्लेग्राउंड का लेवलिंग, बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाने, बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए केजीबीवी धालभूमगढ़ में भी बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने तथा आवासीय विद्यालयों में तड़ित चालक लगाने का आग्रह विद्यालय के प्रतिनिधियों ने किया । साथ ही सभी विद्यालयों में पेयजल उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन कटिबद्ध है। सुविधाओं के साथ-साथ बच्चों के पठन-पाठन एवं अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों में भी बच्चों की रूचि बढ़ायें। खेलकूद के लिए भी प्लेग्राउंड के साथ-साथ पर्याप्त संसाधन उपलब्ध है, इनका उपयोग करें। जिले के तीन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में बच्चों के नामांकन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि एक भी सीट रिक्त नहीं रहे इसे सुनिश्चित करें। राज्य सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें बच्चों को निजी विद्यालयों के तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सीबीएसई बोर्ड के माध्यम से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होने कहा कि बच्चों का नामांकन पारदर्शी तरीके से हो इसे भी सुनिश्चित करेंगे। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी शंकराचार्य समद, जिला योजना पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय, आवासीय विद्यालयों के प्राचार्य, वार्डन व अन्य संबधित उपस्थित थे।

एसडीओ ने मैट्रिक बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

जमशेदपुर।

जैक द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा के शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त संचालन को लेकर एसडीओ, एलआरडीसी, बीडीओ, सीओ द्वारा परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में धालभूम के अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार द्वारा जमशेदपुर शहरी क्षेत्र में मैट्रिक बोर्ड परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर विधि व्यवस्था संधारण का जायजा लिया गया तथा कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त द्वारा पदाधिकारियों को भ्रमणशील रहकर परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण एवं परीक्षा के सफल संचालन का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा कि मैट्रिक व इंटर की परीक्षा कदाचारमुक्त हो। एसडीओ ने निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को सख्त निर्देश दिया कि एक बेंच पर दो से अधिक छात्र-छात्राएं नहीं बैठें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, हेडफोन या अन्य प्रतिबंधित उपकरण परीक्षा केंद्र में लाना सख्त मना है। उन्होंने प्रतिनियुक्त पुलिस बल को निर्देश दिया कि प्रथम और द्वितीय पाली में छात्रों की अच्छी तरह जांच कर ही उन्हें परीक्षा कक्ष में बैठाएं ताकि परीक्षा कदाचार मुक्त हो।

आपदा में युवाओं की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित

जमशेदपुर। आपदा में युवाओं की भूमिका विषय पर बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में नागरिक सुरक्षा जमशेदपुर (सिविल डिफेंस) द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में युवाओं को आपदा प्रबंधन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डीडीसी अनिकेत सचान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। वहीं विशिष्ठ अतिथियों में मुख्य रूप से सिटी एसपी कुमार शुभाशीष, डालसा सचिव राजेन्द्र प्रसाद, एसडीओ धालभूम सह उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा जमशेदपुर शताब्दी मजुमदार सहित कई अन्य गणमान्य लोग मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का सिविल डिफेंस के चीफ वार्डेन अरुण कुमार एवं डिप्टी चीफ वार्डेन दया शंकर मिश्रा के नेतृत्व में पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले सभी अतिथियों का माईकल जॉन ऑडिटोरियम में प्रवेश करते समय पारंपरिक तरीके से पुष्प वारिश कर एवं चंदन का टिका लगाकर स्वागत किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। सेमिनार में अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं के दौरान युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। युवाओं में ऊर्जा, साहस और नई तकनीकों की समझ होती है, जिससे वे आपदा प्रबंधन में सक्रिय रूप से योगदान दे सकते हैं। वहीं सिविल डिफेंस के प्रशिक्षकों ने आपात स्थितियों में राहत और बचाव कार्यों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एंड गाइड, एनवाईके, डालसा पीएलवी, मिराकी, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों और सिविल डिफेंस के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह संकल्प लिया कि आपदा के समय वे प्रशासन के साथ मिलकर जन-जन की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। उक्त कार्यक्रम सिविल डिफेंस के प्रधान सहायक सुरेश प्रसाद के देख रेख में सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी लागों ने सुरुचि भोजन का आनंद उठाया।

अब केबुल टाउन और केबुल बस्ती के निवासियों को मिलेगी टाटा स्टील यूआईएसएल की बिजली

- **अदालती फैसले से सरयू राय की बात पर लगी मुहर**
- **टाटा लैंड डिपार्टमेंट के वरीय अधिकारियों ने भी फैसले को स्वीकारा**

जमशेदपुर।

केबुल टाऊन, जमशेदपुर के निवासियों को टाटा स्टील की बिजली का कनेक्शन मिलने का रास्ता सा×फ हो गया है। केबुल कंपनी के निवासी अब अपने निवास स्थान के लिए बिजली कनेक्शन का आवेदन फॉर्म भरें, उन्हें टाटा स्टील की टीएसआईयूएसएल बिजली देगा। शुक्रवार को झारखण्ड हाईकोर्ट ने दो वर्ष पहले दायर एक रिट याचिका पर यह ×फैसला दिया और कहा कि लोग व्यक्तिगत रूप से टाटा पावर कनेक्शन के लिए आवेदन दें। अदालत के इस फैसले पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि वह बीते तीन साल से लगातार कह रहे थे कि केबुल टाउन और केबुल बस्ती में बिजली कनेक्शन देने में टाटा स्टील के सामने कोई कठिनाई नहीं है और उन्हें कनेक्शन देना चाहिए। श्री राय ने कहाः मेरी बात मानने की जगह उन्होंने दिवालिया केबुल कंपनी के रिज़ोल्यूशन प्रोफेशनल से इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा, जो उन्होंने आज तक नहीं दिया और आगे भी नहीं देंगे। हाईकोर्ट के आज के ×फैसला के बाद मेरी बात पर मुहर लग गई और टाटा स्टील के पास केबुल वासियों को बिजली कनेक्शन देने के अलावा कोई चारा नहीं है। टाटा स्टील प्रबंधन भी इस ×फैसले को स्वीकार कर शीघ्र बिजली कनेक्शन देना शुरू करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। यहां जारी एक बयान में सरयू राय ने कहा कि टाटा लैंड डिपार्टमेंट के वरीय अधिकारियों ने भी उनसे बातचीत में हाईकोर्ट के इस ×फैसला को स्वीकार किया और मुझे सूचित किया कि वे केबुल कंपनी क्षेत्र में बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया शीघ्र आरम्भ करेंगे। उन्हें हाईकोर्ट के ×फैसले की अभिप्रमाणित प्रति मिलने का इंतज़ार है। उम्मीद है कि ×फैसला की प्रति आज-कल में हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हो जाएगी। श्री राय ने केबुल कंपनी वासियों को बधाई दी और कहा कि उनकी चिर प्रतीक्षित मांग आज पूरा हो गई। केबुलवासियों ने इस बीच जिस धैर्य का परिचय दिया, उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। वह इस मामले में बिल्कुल आश्वस्त थे कि जब उनके प्रयास से केबुल क्षेत्र के घर-घर में टाटा स्टील का पेयजल कनेक्शन तीन साल पहले मिल गया तो एक न एक दिन बिजली कनेक्शन भी अवश्य मिलेगा। आज यह उम्मीद पूरा हो गई। उन्होंने इसके लिए टाटा स्टील प्रबंधन और रिट याचिकाकर्ता को धन्यवाद भी दिया।

स्टार हेल्थ इंशयोरेंस बना भारत का सबसे बड़ा होम हेल्थकेयर नेटवर्क

जमशेदपुर। भारत की अग्रणी खुदरा स्वास्थ्य बीमा कंपनी, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंशयोरेंस ने अपनी होम हेल्थकेयर (एचएचसी) पहल का विस्तार कर देश का सबसे बड़ा कैशलेस डोरस्टेप मेडिकल केयर नेटवर्क बना लिया है। जुलाई 2023 में शुरू की गई यह सेवा अब जमशेदपुर समेत 100 शहरों में उपलब्ध है और 85 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त खर्च के तीन घंटे के भीतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं केयर 24, पोर्टिया, अर्गला, अतुल्या और अपोलो के सहयोग से संचालित हो रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, उपलब्धता और सामर्थ्य में सुधार हो रहा है। इस संबंध में स्टार हेल्थ इंशयोरेंस के एमडी और सीईओ आनंद रॉय ने कहा कि हमारा उद्देशय सिर्फ वित्तीय कवरेज देना नहीं, बल्कि लोगों तक किफायती और सुगम चिकित्सा सेवा पहुंचाना है। इस पहल से हम अस्पताल में भर्ती की उच्च लागत, लॉजिस्टिक चुनौतियों और देखभाल से जुड़े तनाव को कम कर रहे हैं, ताकि हमारे ग्राहक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

जमशेदपुर अक्षेस के कई क्षेत्रों में समय पर नहीं हो रहा हैं साफ-सफाई एवं कचरा उठाव

6 मार्च तक समस्या का समाधान नही हुआ तो 7 को जेएनएसी गेट पर प्रदर्शन की धमकी

जमशेदपुर।

जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र में नाली जाम रहने, कचरों का उठाव समय पर नहीं होने, हाईमास्ट लाइट और स्ट्रीट लाइट का मरम्मती समय पर नहीं होने से हो रही आम नागरिकों की परेशानियों को लेकर विधायक सरयू राय द्वारा मनोनित जनसुविधा प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुकुल मिश्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को जमशेदपुर अक्षेस के उप नगर आयुक्त से मिला और ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से उप नगर आयुक्त को बताया कि सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर जैसे जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति से संबंधित क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं कचरा उठाव एवं हाइमास्ट लाइट और स्ट्रीट लाइट का मरम्मती कार्य में पदाधिकारियों के उदासीन रवैये को लेकर नागरिकों में काफी आक्रोश है। समय पर साफ-सफाई एवं कचरा उठाव नहीं होने के कारण लागों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पदाधिकारियों को सूचित करने के पश्चात भी वे इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं और सफाई की स्थिति के विषय में जानकारी लेने पर कई बहाने बनाकर टाल देते हैं।

ज्ञापन के माध्यम से निम्नलिखित बिंदुओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गयाः- 1. संवेदकों द्वारा निविदा की शर्तों के अनुरूप मजदूरों को सफाई कार्य में नहीं लगाना। 2. सोनारी, कदमा के गैर कम्पनी क्षेत्रों में कचरों से नाली जाम रहना। 3. चौक-चौराहों पर से कचरों का उठाव समय से नहीं होने के कारण कचरो का अंबार लगना तथा दुर्गंध उत्पन्न होना। 4. घर-घर कचरा उठाव नियमित नहीं होना तथा गाड़ी खराब होने का बहाना बनाना। 5. जेसीबी और ट्रैक्टर उपलब्ध नहीं होने का बहाना बनाकर टालते रहने के कारण कई स्थानों पर कचरों का अंबार लग जाना।

प्रतिनिधिमंडल ने उप नगर आयुक्त को बताया कि यदि उपर्युक्त समस्याओं का समाधान की दिशा में 6 मार्च गुरूवार तक कोई सकारात्मक पहल नहीं होती है और इसका संतोषजनक परिणाम नहीं मिलता है तो इसके पश्चात 7 मार्च शुक्रवार को आम नागरिकों के साथ जमशेदपुर अक्षेस के गेट पर प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। जमशेदपुर अक्षेस के उप नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि सफाई संवेदकों का टेंडर समाप्त हो गया है। शीघ्र टेंडर के माध्यम से संवेदक बहाल होंगे और साफ-सफाई एवं कचरा उठाव के कार्य में गंभीरता पूर्वक लग जाएंगे। उन्होंने ठोस आश्वासन दिया कि वे इस मामले को लेकर काफी गंभीर हैं जो भी कमियाँ हैं उसे दूर कर लिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में धर्मेन्द्र प्रसाद, नीरज सिंह, सन्नी सिंह, विवेक पाण्डेय, पिंटु सिंह, संतोष भगत, प्रदीप सिंह, अतुल सिंह उत्तम कुमार आदि उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट

स्वास्थ्य बीमा योजना से सहायक अध्यापकों को वंचित रखना अत्याचार : बिनोद तिवारी

रांची। हेंमत सरकार द्वारा स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरूआत शुक्रवार को की गई। इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बिनोद तिवारी ने कहा कि सहायक अध्यापकों को इस योजना से वंचित रखना अध्यापकों पर अत्याचार है।

आदिम जनजातियों के लिए कार्यक्रम आज

रांची। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो और बोकारो जिला प्रशासन के सहयोग से आदिम जनजातियों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन शनिवार को चंद्रपुरा में किया जायेगा। इस अवसर पर झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद, हाईकोर्ट के जज और अन्य संबंधित न्यायिक पदाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे।

स्नातक स्तरीय शिक्षक परीक्षा से संबंधित दस अपील याचिकाएं खारिज

रांची। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने स्नातक स्तरीय शिक्षक परीक्षा में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन नहीं होने के कारण योग्यता रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली दस अलग-अलग अपील याचिकाएं खारिज कर दी है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं शुक्रवार को हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता और जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजोय पीपरवाल एवं प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा।

झारखंड विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन पेश, गैर मजरूवा भूमि पर उठा सवाल

एजेंसी : रांची । झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन सदन में पेश किया गया। सत्र की शुरुआत प्रश्नकाल से हुई, जिसमें स्पीकर ने अल्पसूचित प्रश्न, तारांकित प्रश्न, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर चर्चा की।विधायक नागेंद्र महतो ने गैर मजरूवा जमीन की बंदोबस्ती का मुद्दा उठाया, जिस पर वे वर्षों से खेती कर रहे हैं। इस पर भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने आश्वासन दिया कि 15 दिन के भीतर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड विधानसभा बजट सत्रः 108 एंबुलेंस सेवा और रोजगार पर गरमाई बहस

एजेंसी : रांची । विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर सत्ता पक्ष ने सरकार को घेरा। विधायक अमित कुमार यादव ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग उठाई, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि कोडरमा में मेडिकल कॉलेज का 38% निर्माण पूरा हो चुका है। पहले चरण में धनबाद, देवघर, खूंटी, गिरिडीह, जामताड़ा और जमशेदपुर में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इसके अलावा, पांच सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और 108 एंबुलेंस सेवा को मजबूत करने की योजना है। विधायक स्टीफन मरांडी ने 108 एंबुलेंस और सदर अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने की मांग की, जबकि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सेवा की नियमावली में संशोधन का सुझाव दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा का जिम्मा नई एजेंसी को सौंपा गया है और इस पर कार्य जारी है।श्रम मंत्री संजय प्रसाद सिंह यादव ने कहा कि सरकार रोजगार के प्रति उदार दृष्टिकोण अपना रही है। 24 में से 18 जिलों में रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं, और कुटीर एवं मध्यम उद्योगों में रोजगार बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।विधायक प्रदीप यादव ने शिकायत की कि उनके सवालों के जवाब समय पर नहीं मिल रहे हैं। स्पीकर ने सभी विभागों को समय पर उत्तर देने का निर्देश दिया, लेकिन प्रदीप यादव ने देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सचिव पर कार्रवाई की मांग की।भाजपा विधायक राज सिन्हा ने 917.69 करोड़ की धनबाद पेयजलापूर्ति योजना पर चर्चा न होने को लेकर सवाल उठाए। प्रभारी मंत्री ने जवाब दिया कि धनबाद में कुल 12 योजनाएं चल रही हैं, जिनमें स्टेट प्लान की योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि नगर विकास विभाग बाकी योजनाओं पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना से नीरू शांति भगत ने की मुलाकात

एजेंसी : रांची । झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि नीरू शांति भगत जल्द ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो सकती हैं। नीरू शांति भगत पूर्व में आजसू पार्टी से जुड़ी रही हैं और लोहरदगा सीट से दो बार चुनाव लड़ चुकी हैं, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली। हाल ही में उन्होंने आजसू से इस्तीफा दे दिया है। उनके पति कमल किशोर भगत भी आजसू पार्टी से विधायक रह चुके हैं।

हत्या या आत्महत्या? रांची में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

एजेंसी : रांची । रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड-1 में शुक्रवार को सुमित वर्मा उर्फ टकला का संदिग्ध अवस्था में पुलिस ने शव बरामद किया है। उसका शव रस्सी के सहारे कमरे में लटक रहा था। शुक्रवार की सुबह आसपास के लोगों ने देखा तो मामले की जानकारी सुखदेवनगर पुलिस को दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुमित वर्मा की हत्या हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। सुत्रों के अनुसार, सुमित का आपराधिक इतिहास रहा है। उसने महज 17 की उम्र में अपने बचपन के दोस्त अंकुश शर्मा की बिरला मैदान में हत्या की थी। उसकी हत्या पत्थर से कूचकर बेरहमी से की गयी थी। इस मामले में पुलिस ने उसे पकड़ कर रिमांड होम भेजा था। जहां एक साल रहने के बाद उसे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा भेजा गया था। जेल से निकलने के बाद उसने दोबारा अपने ही दोस्त अविनाश कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। वह कुछ माह पूर्व ही जेल से बाहर आया था।

दो हादसों में तीन की मौत, पांच घायल

एजेंसी : रांची गिरिडीह। जिले के बिरनी और बगोदर मे शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। सबसे दर्दनाक हादसा बिरनी में हुआ। इलाके के सलेडीह गांव में एक तेज रफ़्तार स्कार्पियो संतुलन बिगड़ने के कारण पलट गया। इस दौरान स्कार्पियो सवार दो लोगों की मौत हो गई। पांच अन्य जख़्मी हो गए। मृतकों में सलेडीह गांव निवासी 19 वर्षीय आकाश राय और बिट्टू तुरी शामिल हैं। गाड़ी मे सवार घायलों में मधुबन थाना इलाके के विवेक कुमार, जतिन कुमार, डब्लू राय, संतोष राय और एक अन्य हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से भरकट्टा ओपी पुलिस घायलों को इलाज के लिए सदर भेजा गया। दूसरी घटना बगोदर थाना इलाके के हेशला गांव में रोड क्रॉस करने के दौरान हुई। सला गांव निवासी काजू सिंह के बेटे को एक अज्ञात गाड़ी ने रौंद दिया। बगोदर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

पलामू में 251 अनुसेवक सेवामुक्त, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर डीसी की कार्रवाई

एजेंसी : रांची

पलामू । पलामू जिले में 251 अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन अनुसेवकों की बहाली वर्ष 2010 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पलामू जिला प्रशासन ने सभी को बर्खास्त करने की कार्रवाई की। हालांकि 2010 में ही बहाल हुए सात अनु सेवकों की सेवा अभी भी बरकरार रखी गई है। इसे लेकर भारी असंतोष की स्थिति बनी हुई है। सेवा से बर्खास्त हुए अनुसेवक शुक्रवार को शिवाजी मैदान में जुटे एवं बर्खास्तगी की कार्रवाई पर रोष व्यक्त किया। कहा गया कि इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई है। अगले आदेश का इंतजार किया जा रहा है। अनुसेवकों ने कहा कि बिना विधि परामर्श विभाग से परामर्श लिए ही उन्हें सेवा मुक्त किया गया है। इस मामले में झारखंड सरकार की भूमिका ठीक नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर झारखंड सरकार और पलामू के उपायुक्त को अपील में जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा अब तक नहीं किया गया और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। गौरतलब है कि पलामू जिले में वर्ष 2010 में विज्ञापन संख्या 1- 2010 के अनुसार 255 चतुर्थवर्गीय पदों पर बहाली हुई थी। हालांकि बहाली के दौरान पदों की संख्या निर्धारित नहीं की गई थी और आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया था। इस बहाली के खिलाफ पलामू के ही अमृत कुमार के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए सभी बहाली को फर्जी पाया और कर्मियों को सेवा से बर्खास्त करने का निर्देश दिया था। इसी निर्देश के क्रम में उपायुक्त पलामू ने कार्रवाई की। उपायुक्त के आदेश में कहा गया है कि वैसे कर्मी जो रिटायर हो गए हैं उन्हें पेंशन की सुविधा नहीं मिलेगी। मृत कर्मियों के आश्रित को पारिवारिक पेंशन नहीं मिलेगी और अनुकम्पा पर नियुक्त कर्मियों को दिया गया लाभ भी रद्द किया जाता है। बर्खास्त कर्मियों ने आरोप लगाया कि नियुक्ति का विज्ञापन डीसी के स्तर से वर्ष 2010 में जारी हुआ था। प्रक्रिया के तहत उनकी बहाली हुई। यदि विज्ञापन में कोई त्रुटि थी तो कार्रवाई तत्कालीन डीसी पर होना चाहिए ना कि वर्षों नौकरी कर चुके कर्मियों को हटाना चाहिए। अनुसेवकों का कहना है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। सरकार कोर्ट में उनकी ओर से अपील में नहीं गई। जिले के अधिकारी बात करने के लिए भी समय नहीं दे रहे हैं। बर्खास्त कर्मियों ने कहा कि 2010 के पैनल से ही नियुक्त सातकर्मियों राजकुमार राम, कमल हसन, राशिद अंसारी, मों. तौहीद एवं अन्य दो की सेवा को बहाल रखा गए है और 251 को हटा दिया गया। धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कर्मियों की ओर से अपील की गयी है। वर्ष 2010 में बहस हुई कई चतुर्थवर्गीय कमी रिटायर हो गए हैं जबकि कुछ की मृत्यु भी हो गई है।

महाशिवरात्रि के बाद देवघर नगर निगम ने सफाई अभियान चलाया

देवघरः महाशिवरात्रि के अवसर पर देवघर में भव्य शिव बारात निकाली गई, जिसे देखने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। इस दौरान पूरे शहर में विभिन्न स्थानों पर कचरा जमा हो गया, जिससे सफाई की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। शिवरात्रि के अगले दिन नगर निगम की टीम ने व्यापक सफाई अभियान चलाया। सिटी मैनेजर प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में नगर निगम की सफाई शाखा और एजेंसी कर्मियों ने सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा हटाया। प्रमुख बाजारों, मंदिर परिसरों और प्रमुख चौकों पर विशेष सफाई व्यवस्था की गई। नगर निगम ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाएं और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। अभियान के तहत कचरा उठाने के साथ-साथ सैनिटाइजेशन का कार्य भी किया गया, ताकि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बना रहे। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने नगर निगम की इस त्वरित सफाई पहल की सराहना की। नगर निगम अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के बाद सफाई कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी।

पत्थर लेने जा रहे हाइवा में अपराधियों ने लगाई आग

एजेंसी : रांची

पलामू । पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह इलाके में अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी। हाइवा माइंस में पत्थर लेने के लिए जा रहा था। बाइक सवार तीनअपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना का कारण स्पष्ट करने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का हाइवा कुहकुह इलाके में माला कुमार की माइंस में पत्थर लेने जा रहा था। एक साथ तीन से चार हाइवा जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए तीन अपराधियों ने सबसे लास्ट हाइवा को रोका और चालक से पूरी जानकारी लेकर उसमें आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलाया गया हाइवा छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का है। वाहन खाली था और पत्थर लोड करने के लिए माइंस में जा रहा था। इस घटना की अपराधी और उग्रवादी कनेक्शन को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिहार बॉर्डर वहां से काफी नजदीक है। ऐसे में अपराधियों का स्प्लिंटर ग्रुप भी इसमें शामिल हो सकता है। अपराधियों की संख्या तीन थी और वह मोटरसाइकिल से पहुंचे थे। आग लगाने के बाद मौके से फरार हो गए। पूरे मामले में जांच तेजी से की जा रही है, जल्द स्थिति स्पष्ट की जाएगी। इस घटना से माइंस में चलने वाले गाड़ियों के चालकों में दहशत का माहौल है। उल्लेखनीय है कि जिस इलाके में यह घटना हुई। वह क्षेत्र नक्सल प्रभावित माना जाता है और यहां कभी नक्सलियों का प्रभाव था। ऐसे में नक्सली हिंसा से इनकार नहीं किया जा सकता।

जन शिकायत समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए पुलिस अधिकारी

एजेंसी : रांची

खूंटी । पुलिस मुख्यालय रांची के निर्देश पर शुक्रवार को नगर भवन खूंटी में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिकायत समाधान केंद्र में खूंटी जिले के 10 थानों के लोगों की शिकायतों को सुना गया। नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण करने के साथ पुलिस व नागरिकों के बीच के अविश्वास को समाप्त करने के उद्देश्य से खूंटी पुलिस ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिकायत समाधान केंद्र पर जन शिकायत कार्यक्रम में खूंटी जिले के 10 थानों खूंटी, मुरहू, अड़की, सायको, मारंहादा, तोरपा, तपकरा, रनिया और जरियागढ़ के लोगों की शिकायतों को पुलिस अधिकारियों ने सुना और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान जमीन विवाद, लापता और अन्य मामलों से संबंधित शिकायतकर्ताओं के आवेदनों पर एसपी अमन कुमार और अन्य पुलिस अधिकारियों ने संबंधित विभाग, थाना प्रभारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही जिला प्रशासन से संबंधित शिकायतों को उपायुक्त खूंटी को अवगत कराने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक, तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, मारंगहादा अंचल के पुलिस निरीक्षक, सभी थाना प्रभारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा में जमीन अधिग्रहण और मुआवजा को लेकर पर हंगामा, सत्ता-विपक्ष दोनों ने उठाए सवाल

एजेंसी : रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मुआवजा, एनओसी और म्यूटेशन में धांधली का मुद्दा गरमाया रहा। इस पर विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सवाल उठाए। विधायक नागेंद्र महतो ने सरकार से पूछा कि क्या वह गैर-मजरूआ जमीन पर किसानों से राजस्व लेकर उन्हें स्वामित्व का अधिकार देने पर विचार कर रही है? इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने जवाब दिया कि पूर्व की भाजपा सरकार ने अवैध जांच का आदेश दिया था, लेकिन अब 2018 से पूर्व की बंदोबस्ती वाली जमीन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद खाता और प्लॉट नंबरों में बदलाव कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से पांच एकड़ की जमीन को पांच डिसमिल दिखाया जा रहा है और सीओ (अंचल अधिकारी) 25 से 50 हजार रुपये तक की घूस मांग रहे हैं। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अंचल से ऐसी शिकायत मिलती है, तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भी भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे को उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि विकास कार्यों के लिए भूमि देने वाले रैयतों के गैर-अधिग्रहित प्लॉट पर प्रतिबंध हटाया जाए, क्योंकि इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। विधायक सुरेश पासवान ने देवघर का मामला उठाते हुए कहा कि वहां रसीद कटवाने पर अधिकारियों द्वारा सीबीआई जांच का हवाला दिया जा रहा है।विधायक राजेश कच्छप ने ज्यूडिशियल अकादमी से नगड़ी तक अधिग्रहित भूमि के मुआवजे का भुगतान अब तक न होने का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि रैयती जमीन को प्रतिबंधित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर कोई अधिकारी एनओसी देने में देरी करता है, तो 15 दिनों के भीतर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि सीओ (अंचल अधिकारी) सीबीआई जांच का बहाना बना रहे हैं, तो उन्हें भी शोकॉज किया जाएगा। स्पीकर ने निर्देश दिया कि यह आदेश राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों (डीसी) को भेजा जाए।

विधानसभा ने पारित किया 5,508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट

एजेंसी : रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद 5,508 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया। वित्तमंत्री राधाकृष्णी किशोर ने कटौती प्रस्ताव को लेकर कहा कि उन्हें आशा थी की अनुपूरक बजट पर विपक्षी सदस्यों की ओर से सरकार को सुझाव दिया जाएगा, लेकिन विपक्ष ने वित्तीय मामलों पर कम बल्कि राजनीतिक मुद्दे ज्यादा उठाए। विपक्ष की यह बात सही नहीं है कि सदन में मूल बजट आना है तो बीच में अनुपूरक बजट की क्या जरूरत है।हाल ही में केंद्र सरकार ने झारखंड को बकाया 1112 करोड़ रुपये दिए हैं तो क्या इस राशि का उपयोग अनुपूरक के जरिए विकास कार्यों में न हो। वित्त मंत्री ने कहा कि हर पांचवां वर्ष चुनाव का होता है, जिसका असर राज्यों के खर्च और इसके राजस्व पर पड़ता है। हमारी सरकार की सोच है कि ऐसे विभागों के पैसे को उन विभागों को दे दिया जाए जिन विभागों में अधिक खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने जदयू सदस्य सरयू राय की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि यदि सदन के बगैर अनुमति के राशि का आवंटन नहीं किया जाता है। यदि ऐसी बात होगी तो इसकी जांच कराई जाएगी। मालूम हो कि सरयू राय ने सदन की बगैर अनुमति के राशि आवंटित करने की बात कही थी और कहा था कि वित्तम मंत्री को सरकार के बही-खातों को दुरुस्त करना चाहिए।

डॉ. अंजिला गुप्ता बनीं कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति

रांची, पलामूः पलामू के नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय और चाईबासा के कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपतियों के नामों पर मुहर लग गई है. इस संबंध में राज्यपाल के सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है. जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता को कोल्हन विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया है. जबकि डॉ दिनेश कुमार सिंह को नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है. अधिसूचना के मुताबिक दोनों कुलपतियों का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से 3 वर्ष के लिए रहेगा. पैरेंट ऑर्गनाइजेशन से विजिलेंस क्लीयरेंस के बाद दोनों पदभार ग्रहण करेंगे. झारखंड स्टेट यूनिवर्सिटी एक्ट, 2000 के सेक्शन 10 राज्यपाल शाह कुलाधिपति ने नियुक्ति को स्वीकृति दी है. जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता को कोल्हान विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है. इससे पहले वे छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति रह चुकी हैं.

हालांकि, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में उनके कार्यकाल के दौरान कुछ विवाद भी सामने आए थे. इसमें कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्ति, संविदा शिक्षक नियुक्ति, पीएचडी और बी.एड. प्रवेश में गड़बड़ियों की चर्चा रही है. इसके अलावा, रोस्टर नियमों की अनदेखी कर कुछ बहालियां निकाली गई थीं, जिन्हें बाद में रद्द कर पुनः जारी किया गया. बावजूद इसके, उनका शैक्षणिक अनुभव समृद्ध माना जाता है.

उत्तराखंड निवासी डॉ. दिनेश कुमार सिंह को नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है. वे वर्तमान में पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष (एचओडी) के रूप में कार्यरत थे. नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय में 2023 से स्थायी कुलपति नहीं थे. उस दौरान प्रमंडलीय आयुक्त के पास कुलपति का अतिरिक्त प्रभार था. हाल ही में प्रमंडलीय आयुक्त सेवानिवृत्त हो गए, जिसके बाद विश्वविद्यालय में यह पद रिक्त था.

छात्रों को राहत की उम्मीद : नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थापना 2009 में हुई थी और यह पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले के सरकारी एवं मान्यता प्राप्त डिग्री कॉलेजों को अधीन रखता है. पूर्व कुलपति डॉ. रामलखन सिंह के बाद लंबे समय तक यह पद खाली था, जिससे परीक्षा कैलेंडर में अनियमितता और प्रमाणपत्र जारी करने में देरी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं. डॉ. दिनेश कुमार सिंह की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन निर्माण में अनियमितताओं को लेकर जांच चल रही है. अब छात्रों को उम्मीद है कि नए कुलपति के नेतृत्व में प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु होगी और परीक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान मिलेगा.

रांची के होटवार जेल से हत्या का आरोपी फरार, जेल में मचा हड़कंप

रांची: होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से एक कैदी फरार हो गया है. शुक्रवार को हुई सामूहिक हाजिरी के बाद जेल प्रशासन को जानकारी मिली कि कैदी फरार हो गया है. जिसके बाद जेल में हड़कंप मच गया.

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ फरार : रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. रांची जेल से समीर तिर्की उर्फ शाकिर तिर्की नाम का कैदी फरार हो गया है. समीर तिर्की नाम का कैदी फरार हुआ है, इसकी जानकारी जेल प्रशासन को नहीं है. शुक्रवार की सुबह जब कैदियों की हाजिरी शुरू हुई तब जेल प्रशासन को यह जानकारी मिली कि समीर तिर्की जेल से फरार हो चुका है. मामले की जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन और जेल में हड़कंप मचा हुआ है. फरार कैदी की तलाश में कई टीमों को लगाया गया है.

मामले की जांच जारी: झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि एक कैदी के भागने की सूचना मिली है. उसकी तलाश में रांची पुलिस के साथ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है. हत्या के मामले में जेल में बंद समीर तिर्की किन परिस्थितियों में जेल से भागा, इसकी जांच की जा रही है.

कौन है समीर तिर्की: मिली जानकारी के अनुसार समीर तिर्की उग्रवादी संगठन से जुड़ा हुआ है. वह गुमला का रहने वाला है. गुमला पुलिस के द्वारा उसे साल 2018 में गिरफ्तार किया गया था. 2018 से ही समीर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद था. बताया जा रहा है कि समीर गुरुवार की शाम लगभग 7:00 बजे केंद्रीय कारागार से फरार हुआ है

सुविचार

खुद पर भरोसा करने का हुनर सीख लो. सहारे कितने भी भरोसेमंद हो, एक दिन साथ छोड़ ही जाते है !

मजबूत करें एकता की माला

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 'हिंदी थोपने' संबंधी जो टिप्पणी की है, उसमें तथ्यों का अभाव है। किसी भाषा को 'थोपने' का अर्थ होता है- अन्य सभी भाषाओं को हटाते हुए सिर्फ एक भाषा में पढ़ाई, कामकाज आदि के लिए विवश करना, लोगों के पास कोई विकल्प ही न छोड़ना! हमारे देश में ऐसा कहां हो रहा है? कहीं भी नहीं, बल्कि भारत में सभी भाषाओं, बोलियों के लिए सम्मान में बढ़ोतरी ही हुई है। भारत इतनी ज्यादा विविधताओं से भरा हुआ है कि यहां एक भाषा को सब पर 'थोप' देना संभव नहीं है। इसके गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं। इस तथ्य से हमारी सभी सरकारें परिचित रही हैं। देश की आजादी से पहले ही महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे शीर्ष नेताओं ने इस पर बहुत मंथन किया था, सुझाव दिए थे और इस बात को लेकर सहमत थे कि सभी भाषाओं का सम्मान होना चाहिए, कोई भाषा किसी पर थोपी जानी नहीं चाहिए। जहां तक हिंदी का प्रश्न है तो इसमें अन्य भाषाओं को जोड़ने की भरपूर क्षमता है। अगर हमारी भाषाएं पुष्प हैं तो हिंदी ऐसा सुनहरा धागा है, जो सबको जोड़कर सुंदर माला बना सकती है। यह एकता की माला है। क्या देश में एकता नहीं होनी चाहिए? क्या देश में ऐसी भाषा नहीं होनी चाहिए, जिसके माध्यम से विभिन्न राज्यों के लोग एक-दूसरे से बातचीत कर सकें? अगर राजस्थान से कोई व्यक्ति प. बंगाल जाए तो हो सकता है कि उसे बांग्ला भाषा न आए। प. बंगाल से कोई व्यक्ति महाराष्ट्र जाए तो संभव है कि उसे मराठी भाषा का ज्ञान न हो। कोई गुजराती ओडिशा जाए तो वह रातोंरात उड़िया भाषा नहीं सीख सकता। कोई पंजाबी तमिलनाडु जाए तो वह तमिल भाषा में कैसे बात करेगा? इसके लिए हमें जरूरत है एक ऐसी भाषा की, जो संवाद की खिड़कियां खोले। अगर हिंदी में वह सामर्थ्य है तो किसी को इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

यह तो आनंद का विषय होना चाहिए कि हमारे पास भाषाओं का इतना बड़ा भंडार है और हिंदी 'अनेकता में एकता' का संदेश देती है। इसमें थोपने की बात कहां से आ गई? हम समस्त देशवासी इस पर गहराई से विचार करें। क्या हमारे पास एक ऐसी 'अपनी' भाषा नहीं होनी चाहिए, जिसमें सभी राज्यों के लोग आपस में बातचीत कर सकें? क्या पूरा विरोध हिंदी के प्रति ही है? क्या हिंदी की जगह अंग्रेजी को दे दी जाए तो कोई समस्या नहीं रहेगी, सभी विवाद समाप्त हो जाएंगे? अंग्रेजी का अपनी जगह महत्त्व है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। क्या यह भाषा हमारी भावनाओं को सही-सही अभिव्यक्त कर सकती है? क्या अंग्रेजी हमें जोड़ सकती है? अगर अंग्रेजी से ही सभी कार्य संपन्न हो जाते तो तकनीक के क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कंपनियां, जो भारत में कारोबार कर रही हैं, वे हिंदी में सेवाएं क्यों दे रही हैं? आंकड़े गवाह हैं, जिन कंपनियों ने अंग्रेजी के अलावा हिंदी में सेवाएं उपलब्ध कराईं, उनके कारोबार में बढ़ोतरी हुई। ऑनलाइन परामर्श देने वाली एक फर्म, जो पहले सिर्फ अंग्रेजी में सेवाएं देती थी, जब उसने हिंदी में भी सेवाएं देनी शुरू कीं तो उसके ग्राहकों की संख्या में जोरदार बढ़ोतरी हुई। एमके स्टालिन ने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं का मुद्दा उठाते हुए यह कहा कि इसने कितनी ही 'भारतीय भाषाओं' को निगल लिया! इसके लिए उन्होंने भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी आदि का उदाहरण दिया। वास्तव में हिंदी की वजह से हमारी अन्य भाषाएं समृद्ध हुई हैं। आज सोशल मीडिया पर इन भाषाओं / बोलियों के वीडियो हिंदीभाषी परिवारों में खूब देखे जाते हैं, क्योंकि इनमें हिंदी के शब्द शामिल हो गए हैं। कौनसा राज्य है, जहां शादियों में हिंदी, पंजाबी और भोजपुरी के गाने नहीं बजाए जाते? क्या मैथिली, अवधी, ब्रज आदि में धार्मिक भजन सिर्फ उप्र-बिहार में सुने जाते हैं? इनके वीडियो पर आने वाले कमेंट देखिए। हिंदी से किसी की मातृभाषा को खतरा होने का तर्क हास्यास्पद है। मातृभाषा का संरक्षण करना है तो घरों में ऐसा माहौल बनाएं, खासकर बच्चों के साथ मातृभाषा में बातचीत करें। इससे कौन रोक रहा है? प्राय: जब छोटा बच्चा 'ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार' सुनाता है तो बड़ों को गर्व की अनुभूति होती है, वे बच्चे की पीठ थपथपाते हैं। क्या वैसी ही अनुभूति उस समय होती है, जब बच्चा 'रहिमन धागा प्रेम का' सुनाता है? क्या उस समय वैसी तारीफ की जाती है? हिंदी का किसी भाषा से कोई विरोध है ही नहीं। नेतागण भाषाओं के नाम पर विवाद खड़ा करने के बजाय रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशासनिक सुधार, बेहतर परिवहन सुविधा और खेती जैसे मुद्दों की ओर ध्यान दें, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो।

ट्वीटर टॉक

एक प्रदेश की सरकार का कुशल शासन उसकी सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर पूरी तरह से निर्भर करता है। जब कानून और व्यवस्था मजबूत होती है, तो नागरिकों में सुरक्षा का अहसास बढ़ता है, समाज में शांति बनी रहती है, और राज्य का विकास सुचारु रूप से आगे बढ़ता है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

फाल्गुन मास में मनाए जाने वाले बाबा खाटूश्याम जी के फाल्गुनी लक्खी मेले के शुभारंभ पर समस्त श्यामभक्तों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा खाटू नरेश आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, प्रसन्नता तथा शांति प्रदान करें, यही मेरी मंगलकामना है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

संतुलन कला

एक बार संत सुकुमालनंदी जी मनुष्य के स्वभाव पर चर्चा कर रहे थे कि स्वभाव का संतुलन ही जीवन की मधुरता है। मगर एक शिष्य का कहना था कि क्रोध, बेचैनी, दुख, पराजय आदि से जूझते हुए कैसे संतुलन संभव है। तब संत ने समझाया कि कच्चे आम का स्वभाव खट्टा होता है, गुड़ मीठा होता है, मेथी कड़वी होती है, मिर्च तीखी होती है, और नमक की प्रकृति लवणता लिए होती है। फिर भी, जब ये सब मिलते हैं, एक जायकेदार अचार बनते हैं, तो हर किसी को पसंद आता है। यही संदेश हमें जीवन से भी लेना चाहिएहर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, लेकिन यदि हम सबके साथ सामंजस्य बैठाना सीख लें, तो जीवन भी स्वादिष्ट और मधुर हो जाएगा। इसलिए संतुलन ही जीवनभर की सबसे बड़ी कला है।

सामयिक

नीतीश कुमार : सप्त-क्रांति आंदोलन के सच्चे सिपाही

15 अगस्त 2021 को, अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव मनाते हुए भारत ने एक इतिहास रचा है। वहीं बिहार में एक और इतिहास गढ़ा गया है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह के 17 साल 52 दिन के मुख्यमंत्रित्व काल के रिकॉर्ड को तोड़ चुके हैं। डेढ़ दशक से भी अधिक समय से बिहार की राजनीति नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द घूम रही है।

नीतीश कुमार ने 1974 में छात्र आंदोलन में अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की। पटना स्थित बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (अब एनआईटी) में अध्ययन करते हुए, उन्होंने खुद को पूरी तरह से क्रांति के लिए समर्पित कर दिया। 1977 में, उन्होंने हरनौत निर्वाचन क्षेत्र से वरिष्ठ समाजवादी नेता भोला प्रसाद सिंह के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन सफल नहीं हो सके। वह पुनः 1980 का चुनाव निर्दलीय अरुण सिंह से हार गए, जिन्हें बेलछी नरसंहार में गलत तरीके से फंसाया गया था। नीतीश को अपने तीसरे प्रयास में 1985 में विधानसभा के लिए निर्वाचित होने में मदद मिली, जिसके बाद उनके राजनीतिक ग्राफ में तेजी से उछाल आया।

नीतीश कुमार 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 में वे बाढ़ निर्वाचन क्षेत्र से और 2004 में नालंदा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए। वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में, उन्होंने 1990 में राज्यमंत्री (कृषि), 1998 में कैबिनेट मंत्री (रेलवे), 1999 में भूतल परिवहन मंत्री, 1999 में कृषि मंत्री और 2001 में रेलमंत्री के रूप में कार्य किया। पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की मृत्यु के पश्चात लालू प्रसाद को विधायक दल के नेता के रूप में चुने जाने तथा 1990 में जनता दल के सत्ता में आने पर उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में चुनने हेतु विधायकों का समर्थन जुटाने में नीतीश ने अहम भूमिका निभायी। वह बिहार राजनीति के चाणक्य के रूप में प्रसिद्ध हुए।

जनता दल जनता से कुछ वादों पर सत्ता में आया था। नीतीश ने विभिन्न परियोजना कार्यों के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को कार्ययोजना प्रस्तुत की, लेकिन अब वे लालू की प्राथमिकता नहीं रह गये थे। नीतीश कुमार को धीरे-धीरे पार्टी कार्यक्रमों से भी किनारे किया जाने लगा और लालू के साथ उनका बने रहना असहनीय हो गया। 1994 में कुर्मी समाज और लव-कुश सम्मेलन की आक्रामक रैली शासन के खिलाफ समाज के गैर-यादव वर्गों में नाराजगी का संकेत थी। रैली में शामिल नीतीश ने महसूस किया कि लड़ाई लड़ने का उपयुक्त समय आ गया है।

1994 में जनता दल में टूट हुई तथा समता पार्टी का गठन किया गया। 1995 के चुनाव में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के चेहरा के रूप में पेश किया गया था, लेकिन पार्टी बुरी तरह फ्लॉप हो गई। गहन विचार-विमर्श के उपरान्त भाजपा-समता पार्टी गठबंधन अस्तित्व में आया और इसका सकारात्मक प्रभाव आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में देखा गया। वर्ष 2000 के चुनाव में, किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला और तत्कालीन राज्यपाल द्वारा नीतीश को मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। लेकिन वह विधायकों से बहुमत का समर्थन जुटाने में सफल नहीं हुए और महज 7 दिनो में त्यागपत्र देना पड़ा।

नवंबर 2005 के चुनाव में उनके नेतृत्व में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। तब से वह अपने नामित उत्तराधिकारी जीतनराम मांझी के 278 दिनों के शासन को छोड़कर मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार ने खुद को जातिवाद और पारिवारिक

मंडली से दूर रखा। नीतीश समाज के सभी वर्गों के साथ संतुलित सामाजिक इंजीनियरिंग के साथ आगे बढ़े। उन्होंने नौकरशाही के साथ-साथ पार्टी संगठन में अपनी ही जाति के लोगों के वास्तविक अधिकारों की कीमत पर हमेशा अन्य जातियों को प्राथमिकता दी।

पार्टी का मेरूदंड होने के बावजूद, उनकी जाति के लोगों को लोकसभा, राज्यसभा, विधान सभा या विधान परिषद की उम्मीदवारी और मंत्री पद पर कभी भी समुचित हिस्सेदारी नहीं मिली। लगभग 30 प्रतिशत जनसंख्या वाली अत्यंत पिछड़ी जातियाँ, पिछड़े पसमांदा मुस्लिम, महादलित और महिलाएँ हमेशा से ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वस्तुतः 2020 के बिहार चुनाव एनडीए बनाम महागठबंधन नहीं था, बल्कि नीतीश बनाम अन्य सभी था। जब भाजपा के कोर मतदाताओं ने नीतीश को हराने में कोर कसर नहीं छोड़ी, तब यही अभिवंचित तबके, जिन्हें साइलेंट वोटर कहा जाता है, राजनीतिक अखाड़े में नीतीश के पीछे मजबूती से खड़े थे।

मुख्यमंत्री की कमान संभालने पर कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए और अपराधियों को सलाखों के पीछे जाना पड़ा। सड़कें, पुल, बाइपास, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, पुलिस स्टेशन, पंचायत भवन बनाए गए। मुख्यमंत्री साइकिल योजना, पोशाक योजना, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसी अनेक योजनाएं शुरू की गईं। एक किमी के दायरे में प्राथमिक विद्यालय, गांव के 3 किमी के दायरे में उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्रत्येक पंचायत में उच्च विद्यालय खोले गए। पिछड़े क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई संस्थान खोले गए हैं। वित्तीय संकट से निबटने हेतु विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई। राज्य में अब लोगों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध है।

महिला सशक्तिकरण नीतीश का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रहा है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण और महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, ग्रामीण महिलाओं के लिए जीविका कार्यक्रम लागू किया गया। जेपी आंदोलन के दौरान सप्त-क्रांति की दृष्टि की तर्ज पर, उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सात-निश्चय नामक 7-सूत्री कार्यक्रम की योजना बनाई। नीतीश का सकारात्मक पक्ष यह है कि उनकी प्राथमिकता केवल सरकारी कल्याणकारी योजनाएं नहीं हैं. बल्कि बाल विवाह, दहेज प्रथा और शराब जैसी सदियों पुरानी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उन का सार्वजनिक अभियान अद्वितीय है।

नीतीश कुमार अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही हमेशा संघर्षरत रहे हैं। 2020 के राजनीतिक युद्ध में, यह उनका संघर्ष हीं था कि विपक्षी गठबंधन, शराब माफिया, पक्षपाती इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ अपने ही सहयोगी भाजपा के कोर वोटरों के शक्तिशाली समूहों का एकमात्र लक्ष्य होने के बावजूद, उन्होंने कम सीटों के साथ हीं सही निर्णायक लड़ाई जीती और बिहार के मुख्यमंत्री बने।

रोचक

झारखंड में मिला 14 करोड़ साल पुराना 'खजाना'

झारखंड के भूवैज्ञानिकों के लिए खुशखबरी है। यहां 1415 करोड़ साल पहले का एक 'खजाना' वैज्ञानिकों के हाथ लगा है। वैज्ञानिकों की मानें तो उनकी टीम ने बरमसिया गांव में एक विशाल वृक्ष के जीवाश्मकृत अवशेषों को पहचाना है। इससे कई महत्वपूर्ण जानकारियां हाथ लग सकती हैं। झारखंड में भूवैज्ञानिकों के हाथ एक अनोखा 'खजाना' लगा है, जो कि 1415 करोड़ साल पुराना बताया जा रहा है। भूविज्ञानी डॉ। रंजीत कुमार सिंह और वन रेंजर रामचंद्र पासवान ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताा कि मंगलवार को पाकुड़ जिले के बरमसिया गांव में एक महत्वपूर्ण खोज सामने आई हैं। यहां पर एक पेट्रोफाइड जीवाश्म की खोज की गई है।

टीम ने एक विशाल वृक्ष के जीवाश्मकृत अवशेषों को पहचाना, जो 10 से 1415 करोड़ वर्ष पूर्व के हो सकते हैं। यह खोज न केवल वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए भी गर्व का विषय है, क्योंकि यह क्षेत्र की प्राचीन प्राकृतिक विरासत को उजागर करता है। यह जैविक इतिहास को

समझने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। डॉ। सिंह ने बताया कि इस क्षेत्र में और भी अनुसंधान की आवश्यकता है ताकि जीवाश्म की सटीक आयु और उसके पर्यावरणीय संदर्भ को समझा जा सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस क्षेत्र को संरक्षित किया जाना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियां भी इस महत्वपूर्ण विरासत का अध्ययन और सराहना कर सकें।

वन रेंजर रामचंद्र पासवान ने स्थानीय समुदाय से अपील की है कि वे इस क्षेत्र की सुरक्षा में सहयोग करें और किसी भी अवैध गतिविधि से बचें जो इस महत्वपूर्ण स्थल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस खोज से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। इस खोज के बाद भू-वैज्ञानिक व प्रकृति पर्यावरण के शोधार्थी व अन्य इस क्षेत्र का विस्तृत सर्वेक्षण अध्ययन करने की योजना बनाई है, ताकि और भी महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्रित की जा सकें और क्षेत्र की भू वैज्ञानिक हलचल घटना पर्यावरण संरक्षण जैव विविधता और भूवैज्ञानिक इतिहास को संरक्षित किया जा सके।

डॉ। रणजीत कुमार सिंह का मानना है कि पाकुड़ जिला पेट्रोफाइड फॉसिल का धनी है। बताया कि इस क्षेत्र के विज्ञान और वैज्ञानिक समझ में रूचि रखने वाले आम लोगों के लिए संरक्षित और संरक्षित करने की सख्त जरूरत है।

इसे लेकर झारखंड वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी मनीष तिवारी के साथ भू-विरासत विकास योजना का प्रस्ताव रखा जा रहा है। बताया कि स्थानीय ग्रामीणों, प्रशासकों, वन विभाग, झारखंड राज्य के इकोटूरिज्म के साथ बातचीत की और इस क्षेत्र में एक अलग जियोपार्क कैसे विकसित किया जा सकता है, इस पर चर्चा की जा रही है।

नजरिया

बिखरते परिवार एवं दरकते रिश्ते

आज भी देश और दुनियां, परिवार और संयुक्त परिवार की अहमियत को लेकर विवादों में उलझी है। भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। वह भी एक जमाना था जब भरा पूरा परिवार हँसता खेलता और चहकता था और एक दूसरे से जुड़ा रहता था। बच्चों की किलकारियों से मोहल्ला गूंजता था। पैसे कम होते थे पर उसमे भी बहुत बरकत होती थी। घर में कोई हंसी खुशी की बात होती थी तो बाहर वालों को बुलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। आज परिवार कितने छोटे हो गए हैं और टूटते जा रहे हैं, हमारे रिश्ते बिखरते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार की आज के समय में महती आवश्यकता है। संयुक्त परिवारों के अभाव में भाईचारा एवं पारिवारिक वातावरण खत्म होने लगा है। संयुक्त परिवार प्रथा भारतीय संसकृति का हिस्सा रही है। ऐसी फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एस साथ जोड़ कर रखती है। आजकल भारत के साथ ही दुसरे देशों में भी लोग संयुक्त परिवार में एक साथ रहने लगें हैं। आज हम आपकों ऐसी फैमिली में रहने वाले फायदों के बारे में बताएगें। संयुक्त परिवारों के कई फायदे हैं. जब कभी भी जरूरत है आपको परिवार के सदस्यों का पूरा समर्थन मिलता है, जब आप नौकरी के लिए जाते हैं तो आपके बच्चे घर में अकेले नहीं रहेंगे, आप उनके साथ अपने सुख और दुख साझा कर सकते हैं। कई बार दिन के समय में घर में चोरियां हो जाती हैं, क्योंकि घर में कोई भी उपलब्ध नहीं होता है, इसलिए यदि वहाँ एक संयुक्त परिवार होगा, चोरियों के मामलों में भी कमी होगी. यदि परिवार के सभी सदस्य को एक साथ रह रहे हैं तो हमें दूसरों से मदद माँगने की जरूरत नहीं है।

भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। साधारणतः संयुक्त परिवार वह है जिसमें पति-पत्नी, सन्तान, परिवार की वधुएँ, दादा-दादी, चाचा-चाची, अनके बच्चे आदि सम्मिलित रूप से रहते है। संयुक्त परिवार में माता-पिता, भाई-बहन के अतिरिक्त चाचा, ताऊ की विवाहित संतान, उनके विवाहित पुत्र, पौत्र आदि भी हो सकते हैं। संयुक्त परिवार से घर में खुशहाली होती है। साधारणत पिता के जीवन में उसका पुत्र परिवार से अलग होकर स्वतंत्र गृहस्थी नहीं बसाता है। यह अभेद्य परंपरा नहीं है, कभी-कभी अपवाद भी पाये जाते हैं। ऐसा भी समय आता है, जब रक्त संबंधों की निकटता के आधार पर एक संयुक्त परिवार दो या अनेक संयुक्त अथवा असंयुक्त परिवारों में विभक्त हो जाता है। असंयुक्त परिवार भी कालक्रम में संयुक्त परिवार का ही रूप ले लेता है और संयुक्त परिवार का क्रम बना रहता है। जिस फैमिली में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और खूब सारे भाई-बहन होते है उसे जॉइंट फैमिली (संयुक्त परिवार) कहां जाता है। ऐसी फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एस साथ जोड़ कर रखती है। इस में बूढ़ों से लेकर बच्चे कर अपना सुख-दुख एक साथ बाटते है।

संयुक्त परिवार के सदस्यों के पास आपसी सामंजस्य की समझ होती है। एक बड़े संयुक्त परिवार में, बच्चों को एक अच्छा माहौल और हमेशा के लिये समान आयु वर्ग के मित्र मिलते हैं इस वजह से परिवार की नयी पीढ़ी बिना किसी रुकावट के पढ़ाई, खेल और अन्य दूसरी क्रियाओं में अच्छी सफलता प्राप्त करती हैं। संयुक्त परिवार में विकास कर रहे बच्चों में सोहार्द की भावना होती है अर्थात मिलनसार तथा किसी भी भेदभाव से मुक्त होते हैं। परिवार के मुखिया की बात मानने के साथ ही संयुक्त परिवार के सदस्य जिम्मेदार और अनुशासित होते हैं। परिवार चाहे संयुक्त हो या एकल, इसकी खुशियां सदस्यों की सोच और व्यवहार पर ही निर्भर करती हैं। हर परिवार के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। सुरक्षा की दृष्टि से संयुक्त परिवार की खूबियां है तो सुविधा की दृष्टि से एकल परिवार के भी अपने फायदे हैं।

बदलते वक्त और जरूरत के हिसाब से परिवार संयुक्त और एकल परिवार का रूप लेते हैं।सुरक्षा, और सुविधा, दोनों ही दृष्टियों से संयुक्त परिवार के अपने फायदे हैं। संयुक्त परिवार में अगर कभी किसी को कोई दिक्कत होती हैं तो सभी सहायता के लिए पूरा परिवार ही जुट जाता है। बच्चों को छोड़कर ऑफिस या कहीं बाहर जाना है तो भी निश्चिंतता के साथ जा सकते हैं। यहां बच्चों की जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की नहीं बल्कि पूरे परिवार की होती है। बच्चे परिवार के संस्कार भी सीखते हैं। संयुक्त परिवार का एक मुखिया होता है, जो परिवार के सभी सदस्यों के लिए नीतियाँ और निर्देश देता है। इन परिवारों में पुत्र विवाह के बाद अपने लिए अलग रहने की व्यवस्था नहीं करता। परिवार में जन्मे बच्चों के पालन पोषण के लिए एक स्वस्थ वातावरण निर्मित होता है जिसमे वह समाज में घुल मिल जाने के संस्कार, नीतियाँ, दायित्व आदि सीखता है। एकल परिवार में जहाँ कुछ ही लोगों का लाड़ दुलार मिलता है इसलिए परिवार वही बेहतर हैं जहाँ आपस में प्रेम, विश्वास और एक दूसरे के सुख-दुःख में शामिल होने का अपनापन है, वह चाहे संयुक्त परिवार हो या एकल!

न्यूज अपडेट

पूर्व कुलसचिव को विश्वविद्यालय का बनाया गया नया वित्त पदाधिकारी

दुमका। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा को विश्वविद्यालय का नया वित्त पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर कुलसचिव डॉ राजीव कुमार ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

राजभवन से प्राप्त अनुमोदन के आलोक में उक्त अधिसूचना जारी की गई है। डॉ सिन्हा को अधिकतम 6 माह या जेपीएससी से नियमित नियुक्ति होने तक के लिए विश्वविद्यालय का वित्त पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। डॉ सिन्हा, डॉ बिजय कुमार से पदभार ग्रहण करेंगे। डॉ सिन्हा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वर्तमान में वे स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष हैं।

मालूम हो कि वे इससे पहले विश्वविद्यालय में कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य महत्वपूर्ण पदों को संभाल चुके हैं।

चितरा कोलियरी के विस्थापितों और मजदूरों की समस्याओं के लिए सारठ विधायक प्रतिनिधि किये महाप्रबंधक के साथ बैठक

चितरा। एस पी माइंस चितरा कोलियरी के मजदूरों व विस्थापितों को समस्याओं को लेकर सारठ विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने कोलियरी के महाप्रबंधक कार्यालय में कोलियरी महाप्रबंधक ए के आनंद के साथ बैठक किये। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने कहा कि चितरा कोलियरी के विस्थापितों का मुआवजा भुगतान संबंधी शिकायत का जल्द समाधान किया जाये। जिससे कोलियरी विस्तार में तेजी आयेगी और विस्थापितों की समस्याओं का भी समाधान होगा। साथ ही रोड सेल के तहत 62 हजार टन कोयला का ऑफर देने पर विचार विमर्श किया। जिससे सभी कैजुअल मजदूरों को नियमित रूप से रोजगार मिलेगा और ट्रैकों में भी कोयला लोडिंग का कार्य अधिक से अधिक हो सकेगा। साथ ही कोलियरी में कार्यरत कर्मचारियों के लंबित प्रमोशन पर भी चर्चा की गई। वहीं इस सम्बन्ध में कोलियरी के महाप्रबंधक ए के आनंद ने आश्वासन दिया कि कोयला ऑफर बढ़ाया जाएगा एवं विस्थापितों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाया जाएगा। इस इस दौरान चितरा कोयला व्यवसायी एवं ट्रक ऑनर संघ के अध्यक्ष पप्पू भोक्ता, इंटक सचिव योगेश राय, अशोक भोक्ता, विक्की भोक्ता, बंकिम भोक्ता, सौरभ भोक्ता, राजू दास, गौरव भोक्ता, उत्तम राजवंशी, ताजमुल अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

अनुमंडलीय अस्पताल में एक्सरे टेक्निशियन का सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह आयोजित

मधुपुर:अनुमंडलीय अस्पताल में पदस्थापित एक्स-रे टेक्नीशियन महेंद्र प्रसाद का सेवानिवृत्त होने पर सम्मान सह विदाई समारोह का अस्पताल उपाधीक्षक डॉ मो शाहिद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस दौरान अस्पताल उपाधीक्षक डॉ मो शाहिद ने माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर उनका स्वागत और सम्मान किया।तत्पश्चात सभी चिकित्सा पदाधिकारी और स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा माला पहनाकर और उपहार देकर उनकी भावभीनी विदाई दी गई।मौके पर उपाधीक्षक ने कहा कि महेंद्र प्रसाद का कार्यकाल काफी उपलब्धियां भरा रहा।उनका व्यक्तित्व कर्तव्यनिष्ठ एवं निष्ठावान था।उनकी कमी अस्पताल में सबों को खलेगी।चूंकि सरकारी नौकरी में सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है,परंतु समय से ड्यूटी आकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना कोई इनसे सीखे।अपने कार्य के अतिरिक्त बहुत सारे असैनिक कार्य भी इनके द्वारा संपादित होता था। उन्होंने इनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।विदाई समारोह में सभी चिकित्सा पदाधिकारी और स्वास्थ्य कर्मी ने भी उनके स्वस्थ जीवन की कामना की।उन्होंने अपने जीवन काल में विभिन्न अस्पतालों में 28 वर्ष सेवा दिया।वही विदाई समारोह के मौके पर डॉ सुनील मरांडी,डॉ इकबाल अंसारी,डॉ नीलकमल,डॉ अबिजा निगार ,डॉ सुमति ,डॉ नयन, डॉ इकबाल,डॉ संजीत, डॉ गोपाल,प्रधान लिपिक विष्णु कुंवर,प्रशांत सौरव, अभिषेक कुमार,देशराज कुमार,तपन कुमार,शशि कुमार,अजय कुमार दास, संजीव कुमार,विनोद कुमार, जियाउल हक,समेत चिकित्सा पदाधिकारी और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

पति की हत्या मामले में केस दर्ज, आरोपी पत्नी को भेजा गया जेल।

पाकुड़। बीते गुरुवार को हिरणपुर थानाक्षेत्र के धरनीपहाड़ में पत्नी द्वारा ईंट से मारकर पति की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के पिता के लिखित शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। थाना कांड सं 24/25 में मृतक के पिता दुर्गा पहाड़िया ने उल्लेख किया है कि मुझे मेरे भाई से पता चला कि मेरा बेटा लोफरा पहाड़िया अपने घर में मरा पड़ा है। जिसके बाद घटनास्थल में पहुंचने पर मेरा बेटा मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। आसपास के लोगों से पूछने पर पता कि मेरी बहु कमली पहाड़िन द्वारा ईंट से मारकर मेरे बेटे ही हत्या कर दी है। जिसके बाद वो घर में ही छुप गई थी। जसको खोजकर निकालने के बाद उसने सबके समक्ष कबूल किया की दोनों के बीच आपसी लड़ाई में बहु ने ईंट से बेटे के मुंह पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामले को लेकर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी पत्नी को जेल भेज दिया है। वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ 21 से 28 फरवरी तक आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव का हुआ समापन

दुमका।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय दुमका,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मसलिया एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जामा इत्यादि द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में इंडियन आइडल सीजन 6 में अपनी जगह बनाने वाले गायक रजत आनंद ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। इसके बाद सरायकेला से आए कलाकारों ने नटुआ नृत्य प्रस्तुत किया। समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि सभी के सहयोग से ही इस मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सका है। इसके लिए आप सभी को आभार। हिजला मेला यहां की संस्कृति की परिचायक है। यह मेला यहां की संस्कृति यहां की आत्मा को संजोए रखने का कार्य कर रही है। इस दौरान सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित हिजला मेला की स्मारिका का विमोचन उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया।

राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव 2025 में घड़ा उतार प्रतियोगिता में चांदो पानी मुरु टोला के टीम ने घड़ा उतारकर प्रथम पुरस्कार हासिल किया। इस दौरान घड़ा उतार प्रतियोगिता में भाग लिए सभी प्रतिभागियों का जिला प्रशासन द्वारा हौसला बढ़ाया गया। मौके पर सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

नए सदस्यों को झारखंड मुक्ति मोर्चा में किया गया शामिल

दुमका।

झामुमो नगर इकाई दुमका के तत्वावधान में दिन शुक्रवार को शिव पहाड़ मोड पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर प्रभारी रवि यादव के नेतृत्व में नए सदस्यों को पार्टी में शामिल किया गया। यह कार्यक्रम खासकर युवाओं के लिए प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करने का प्रयास था, जिसमें उन्हें पार्टी की विचारधारा और लक्ष्य के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर शहर के कई युवा और मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा पार्टी में अपनी सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमित रक्षित, विशाल रक्षित, चंदन बबिता देवी पराक्रम शर्म यादव, पुष्प देवी, अर्चना देवी, सोह कुमार, समीर अंसारी, प्रिय रक्षित गौरव झा बबिता देवी, बेबी देवी, रमेश, इंदु चौबे सलीम अंसारी, सोनू अली और सुमित कुमार जैसे नए सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता ली। रवि यादव ने कहा, आज का कार्यक्रम यह दर्शाता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में युवाओं और मातृशक्ति की भागीदारी कितनी महत्वपूर्ण है। हम सभी नये सदस्यों का स्वागत करते हैं और उन्हें आश्वस्त करते हैं कि वे हमारे साथ मिलकर राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की और अपने क्षेत्र को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की। इस प्रकार, झारखंड मुक्ति मोर्चा एक बार फिर नए लोगों को जोड़ने और अपने सिद्धांतों को आगे बढ़ाने में सफल रहा।

पेड़ से लटकता हुआ शव को पाकुड़िया पुलिस ने किया बरामद

संवाददाता।

पाकुड़िया थाना क्षेत्र के पलियादाहा गांव स्थित कंडारधारा पानमारिक बहियार के पास से बुधवार की रात को पाकुड़िया पुलिस ने पेड़ से लटकता एक युवक का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर गुरुवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ भेज दिया है। युवक की पहचान 42 वर्षीय पलियादाहा निवासी अबुल मियां ,पिता स्व जलील मियां, वर्तमान पता ग्राम बाडपहाड़ी,थाना रामपुरहाट, पश्चिम बंगाल के रूप में की है । युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जाता है। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, यूडी केस दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस; राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतियोगिता के विजेता 2 मार्च को होंगे पुरस्कृत

देवघर। साप्ताहिक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत स्थानीय साइंस एंड मैथेमेटिक्स डेवेलोपमेंट आर्गेनाईजेशन के बैनर तले विज्ञान संबंधित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। स्थानीय प्रतिभागियों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुमका स्थित किंडर रोज प्ले स्कूल की पीहू प्रिशा, डिप्सर की पायल कुमारी,

दीनबंधु उच्च विद्यालय की शिवानी झा, दिव्या कुमारी, आयुषी राज, राम मन्दिर बीपीजे हाई स्कूल की माही गुप्ता व अन्य का चयन राज्य स्तर पर हुआ है। सभी चयनित विद्यार्थियों को 2 मार्च को होटल न्यू ग्रैंड स्थित सिद्धिविनायक बैंक्वेट हॉल के भव्य सभागार में पुरस्कृत किया जाएगा। इनके अलावे कुछेक विद्यार्थियों को 'सर सीवी रमन इंस्पिरेशन अवार्ड' की मानद उपाधि से भी अलंकृत की जाएगी। कार्यक्रम में साइंस आर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जय चन्द्र राज, राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, देवघर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रवि कुमार केशरी व अन्य उपस्थित रहेंगे।

पांच दिवसीय मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

करौं :प्रखंड मुख्यालय में पांच दिवसीय मधुमक्खी पालन शिविर का आयोजन किया गया प्रशिक्षक अनिल कुमार, बीटीएम प्रमेंद्र कुमार के नेतृत्व में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड उद्यान

प्रभाग वित्तीय वर्ष 2024/25 उद्यान विकास की योजना अंतर्गत कृषकों को 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें आस पास के गांव के किसानों ने प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। इस मौके पर उपस्थित फोदो बाउरी,रितेश कुमार भोक्ता,अमित राणा, वकील बाउरी,गौतम सिंह, भरत राय,आदि मौजूद थे

फाइलेरिया की दवा खाने से कस्तूरबा विद्यालय की 13 छात्राएं बीमार

देवघर। फाइलेरिया मुक्त जिला बनाने के लिए इन दिनों इसके रोकथाम के लिए फलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है फाइलेरिया मुक्त हो पूरे देवघर जिला इसी माह से यह अभियान चलाया जा रहा है और लोगों को घर-घर जाकर दवा खिलाई जा रही है इसी के तहत आज

स्वास्थ्य विभाग द्वारा देवीपुर कस्तूरबा विद्यालय पहुंच विद्यालय में रहने वाली छात्राओं को दवा खिलाई गई दवा खाने के कुछ मिनट बाद ही छात्राओं को पेट दर्द और बदन दर्द जैसी समस्या होने लगी मामला गंभीरता देखते हुए कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन 13 छात्राओं को तत्काल देवीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सकों ने उचित इलाज किया मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कुमार अभय प्रसाद ने बताया कि सभी बच्ची खतरे से बाहर है और सुरक्षित है

उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में घटिया सामग्री का किया जा रहा इस्तेमाल

संवाददाता

मोहनपुरः प्रखंड क्षेत्र के बीचगढ़ा पंचायत के ठाढियारा गांव में निर्माण कराए जा रहे उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन का निर्माण घटिया सामग्री से किया जा रहा है साथ ही निर्माण स्थल पर कोई भी शिलापट्ट या बोर्ड भी नहीं लगाया गया है जिससे किया पता चल सके कि किस विभाग के द्वारा निर्माण कराया जा रहा और कितनी राशि खर्च की जा रही है इसको लेकर ग्रामीणों में भी काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बतलाया की संवेदक कभी भी नहीं आते हैं कार्य कर रहे ठेकेदार हम लोगों ने कई बार कहा कि ईट काफी घटिया कि लगाया जा रहा है लेकिन ठेकेदार बार-बार यही कहता है कि ईट अगली बार से बदल दिया जाएगा लेकिन नहीं बदल रहा है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारी से निर्माण कार्य की जांच की मांग की है।

निर्माण स्थल पर बोर्ड नहीं

बता दें कि ठाढियारा गांव में करीब 54 लाख रुपये की अधिक की राशि से गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन का निर्माण कराया जा रहा है ग्रामीणों ने भवन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर आपत्ति जाता रहे हैं। ऐसे में भवन के गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। ग्रामीणों ने भवन की गुणवत्ता को लेकर असंतोष जाहिर करते हुए आगे अधिकारी से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार के द्वारा अपनी मनमानी करते हुए भवन निर्माण की गुणवत्ता पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा और ना ही इस और उच्च अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

> जो निर्माण कार्य में ईट का प्रयोग किया गया है। ईट को तोड़कर हटा दिया जाएगा। कार्य करने की गुणवत्ता सुधार करने का निर्देश दिए है।
> » अनुराग आनंद, जेई

भाजपा जिलाध्यक्ष के चुनाव के मद्देनजर जिला चुनाव अधिकारी ने संगठन की रूपरेखा की प्रस्तुत

दुमका।

संगठन के चुनाव को लेकर भाजपा जिला इकाई दुमका की एक महत्वपूर्ण बैठक दिन शुक्रवार को के0 बी0 वाटिका दुमका में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की। जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सोरेन इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में 2025-26 के केंद्रीय बजट पर व्यापक चर्चा हुई, जिसमें बजट की जनकल्याणकारी नीतियों और देश के आर्थिक विकास में इसकी भूमिका को रेखांकित किया गया। साथ ही संगठन में चुनाव की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

दुमका जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने संगठन चुनाव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि 28 फरवरी तक शक्ति केंद्रों के संयोजक एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति पूरी कर ली जाएगी। 1 से 5 मार्च तक बूथ समितियों का गठन सुनिश्चित किया जाएगा। 17 से 19 मार्च के बीच मंडल अध्यक्षों के नामांकन करवा कर निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न करवाकर 23 से 25 मार्च के बीच जिलाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों के नामांकन का विवरण प्रदेश नेतृत्व को भेज दिया जाएगा।

पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत इस वर्ष का बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और सशक्त कदम है। इस वर्ष के बजट में गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं और मध्यम वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं शामिल की गई हैं। झारखंड के विकास के लिए भी इसमें विशेष प्रावधान किए गए हैं। भाजपा कार्यकर्ता इस बजट की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 देश के विकास को नई ऊंचाई देने वाला है। इस बजट में बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मजबूत करने का रोडमैप तैयार किया गया है। भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर तक जाकर जनता को इस बजट की विशेषताओं से अवगत कराएंगे।

जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू के अनुसार दी कि इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे जिनमें पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुरेश मुर्मू, जिला महामंत्री मनोज पांडे, पवन केशरी, जीतलाल राय, सीताराम पाठक, बबलू मंडल, गुंजन मरांडी, अमिता रक्षित, नीतू झा, ममता साह, मार्टिन मुकेश, गोपीनाथ दत्ता, दीप्तांशु कोचगवे, गणपति पाल, अभिजीत सुमन, नकुल साह, नरेश मंडल, मणिलाल गृही, नवल किशोर मांझी, तरुण नंदी, किशोरेंद्र दास, अनुज आर्या, श्रीधर दास, अजय सिंह, नरेश चंद्र मंडल, बिनोद यादव, मृणाल मिश्रा, दीपक स्वर्णकार, अमरेंद्र सिंह मुन्ना, धर्मेंद्र सिंह बिट्टू, अजय गुप्ता, ओम केसरी, रमेश मुर्मू, दिनेश सिंह, कुश कुमार पाल, अरविंद दुबे, राजेश वर्मा और मनीष सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा आगामी संगठन चुनावों की तैयारी को तेज करने का संकल्प लिया।

विधायक रोशन लाल ने बड़कागांव केरेडारी टंडवा पथ में सड़क दुर्घटना हो रहे लोगों की मौत का मामला सदन में उठाया

कहा बानादाग बड़कागांव केरेडारी तक अलग फोर लाइन बनाया जाए

बड़कागांव ।

बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव बानादाग केरेडारी टंडवा पथ में सड़क दुर्घटना में हो रहे ग्रामीणों की मौत को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को विधानसभा में सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सवाल करते हुए कहा कि बड़कागांव केरेडारी टंडवा पथ में ओवरलोडेड भारी वाहन से बीते 23 फरवरी को बीगन महतो और 24 फरवरी को अश्वनी मिश्रा का सड़क दुर्घटना में मौत हो गया था। सूचना देने के बावजूद भी प्रशासन की अमानवीय और संवेदनहीनता के कारण बीगन महतो का शव 36 घंटे तक और अश्वनी मिश्रा का शव 20 घंटे तक तथा गत माह सरैयाटांड़ में मृतक का शव तीन दिन तक सड़क में पड़ा रहा जो काफी दुखद बात है। इस पथ में हर 10 दिन में दुर्घटना से लोगों का मौत हो रहा है। इसके अलावा झारखंड में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मिलने वाला मुआवजा राशि भी बहुत कम है जबकि राजस्थान जैसे राज्य में सरकार सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रितों को 10 लाख मुआवजा देती है। और हमारे यहां बहुत ही काम दिया जाता है हम सदन के माध्यम से मांग करते हैं की झारखंड में भी सरकार सड़क दुर्घटना के मृतक के आश्रितों को 10 लाख रुपए की मुआवजा देने का काम करें। इसके साथ-साथ बड़कागांव पकरी बरवाडीह, केरेडारी से बनादाग के बीच में अलग से फोरलेन बाईपास या ट्रांसपोर्टिंग सड़क अलग से निर्माण कराया जाए ताकि लगातार इस सड़क दुर्घटना में लोगों के हो रहे मौत को रोका जा सके। और लोगों को आने-जाने में भी सुविधा हो।

बड़कागांव प्रखंड के दो आदेश पालक हुए सेवानिवृत, दी गई विदाई

बड़कागांव।

बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय में दो आदेश पालक अनिल कुमार राम एवं नरेश नायक की सेवानिवृत होने पर उन्हें विदाई दी गई। विदाई समारोह का आयोजन प्रखंड मुख्यालय बड़कागांव सभागार भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता एवं भास्कर राज की संचालन में किया गया। बीडीओ सीओ एवं अन्य उपस्थित लोगों ने दोनों सेवानिवृत्ति लोगों को माला पहनाकर व उपहार देकर भविष्य की मंगल कामना करते हुए विदाई दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा सरकारी नौकरी में सेवानिवृत्ति होना हिस्सा है, जो सभी को पालन करना पड़ता है दोनों के कार्यकाल बेदाग और सराहनीय रहा है। बड़कागांव हमेशा दोनों को याद रखेगी। बताते चलें कि अनिल कुमार राम 1986 में और नरेश नायक 2005 में हजारीबाग जिला से आदेश पालक के रूप में अपनी नौकरी की शुरुआत की थी। अनिल के तीन पुत्र हैं तीनों पढ़ाई कर रहे हैं वहीं नरेश के एक पुत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट है , पुत्री केबी मध्य विद्यालय की सरकारी शिक्षिका है वही पत्नी गीता देवी बड़कागांव प्रखंड में बाल विकास परियोजना की लिपिक है।विदाई सह सम्मान समारोह में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल ,अंचल अधिकारी मनोज कुमार, पंसस रितेश ठाकुर, रणजीत चौबे ,प्रधान लिपिक मोहम्मद खुर्शीद, अंचल के बड़ा बाबू रामकुमार ठाकुर, एमओ भास्कर राज, पंचायती राज समन्वयक आशीष पासवान, नाजीर सचिन कुमार, आवास कोऑर्डिनेटर विकास कुमार, रविंद्र कुमार, बीपीओ हीरो महतो, कंप्यूटर ऑपरेटर प्रकाश कुमार, दीपक प्रजापति, पंचायत सचिव अशोक नारायण तिवारी, खुश नारायण मेहता, अल्का कुमारी, संगम कुमारी, धीरज कु सिंह, रंजू कुमारी, गोपाल कुमार, अरविंद दांगी, अनंत कुशवाहा, बुद्धिनाथ साव के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थें।

बड़कागांव चौक पर दिनदहाड़े दो लोगों को चाकू मार कर किया घायल अपराधी पुलिस के गिरफ्त में,हजारीबाग रेफर।

बड़कागांव । बड़कागांव मुख्य चौक पर शाम 7:45 बजे दिनदहाड़े दो लोगों को चाकू मार कर अपराधी फरार हो गया। घायल ललन यादव और चंदन यादव दोनों ग्राम पिपराडीह गावं निवासी को प्राथमिक उपचार के लिए बड़कागांव समुदाय स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टर ने दोनों घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग अस्पताल रेफर कर दिया गया। मामले को लेकर घायल ललन ने पुलिस के बयान दिया कि चाकू मारने वाले चार लोग हैं। सभी कटकमदाग थाना क्षेत्र के रेवाली गांव के रहने वाले हैं। जिनका नाम रोहित , गोल्डन ,शिवम और राजा नाम है सभी रेवाली का रहने वाला है। ललन आगे बताया कि मैं बरही निवासी रविंद्र यादव उर्फ राजा का 16 चक्का गाड़ी त्रिवेणी से बानादाग पिछले एक वर्ष से चला रहा था। गाड़ी मालिक के पास 16000 बकाया है। यही बकाया पैसा मैं फोन पर मांग रहा था तो लोग बोला कि बड़कागांव आकर के देते हैं। सभी स्कॉर्पियो से बड़कागांव मुख्य चौक आए और चाकू से हमला करके स्कॉर्पियो से भाग गए। ललन को छाती के किनारे पँजरा के पास और चंदन को पीठ पर चाकू लगी है। वही मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि मार-पीट करने वाले सभी पुलिस के गिरफ्त में और सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

हदारी इचाक में रोज़ प्ले स्कूल बना शिक्षा का नया केंद्र, निःशुल्क नामांकन जारी

श्रमबिन्दु इचाक

» पूरी तरह नि:शुल्क नामांकन – समाज में शिक्षा के विस्तार की अनूठी पहल।

इचाकः हजारीबागः जिले के इचाक प्रखंड के हदारी क्षेत्र में स्थित रोज़ प्ले स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल कर रहा है। यह उइरए पैटर्न पर आधारित अंग्रेजी माध्यम स्कूल है, जहां प्ले ग्रुप से 5वीं कक्षा तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है।

विद्यालय के डायरेक्टर राम कुमार ने बताया कि यह विद्यालय Reinforce Organisation for Service and Education द्वारा संचालित है, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, ₹हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त करे और समाज में एक सफल नागरिक बने। बेहतरीन शिक्षा के लिए अभिभावक हमारे विद्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

विद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ:

» एक्टिविटी–बेस्ड लर्निंग – बच्चों को खेल–खेल में सिखाने की आधुनिक पद्धति।

» अनुभवी शिक्षक – प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा सही मार्गदर्शन।

» कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएँ – हर बच्चे की जरूरत का विशेष ध्यान।

» सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ – बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर।

» डोर–टू–डोर पिकअप सेवा – बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष सुविधा।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नामांकन जारी जो निशुल्क है.

विद्यालय के डायरेक्टर राम कुमार ने बताया कि सत्र 2025-2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभिभावक जल्द से जल्द अपने बच्चों का नामांकन कराएं।अभी नामांकन निशुल्क है.

नामांकन के लिए आवश्यक दस्तावेज़:

बच्चे का आधार कार्ड
माता-पिता का आधार कार्ड
जन्म प्रमाण पत्र
पासपोर्ट साइज फोटो (2)

विद्यालय का पता और संपर्क विवरण:

» पता : सालपर्णी रोड, हदारी खेल मैदान के सामने, हदारी इचाक, हजारीबाग

» संपर्क करें : 7004000393

हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार झ आइए, भविष्य सँवारें!

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को विदाई सह सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

चूरचू मे उत्क्रमित मध्य विद्यालय मे विधालय के प्रधानाध्यापक रामेश्वर मांझी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का आरंभ विधिवत रुप से पंसस रीमा कुमारी व शिक्षिकाओ ने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। मौके पर पंसस रीमा कुमारी ने कहा कि बच्चो के शिक्षा के क्षेत्र मे शिक्षक रामेश्वर मांझी की महत्वपूर्ण भुमिका है। विधा के मंदिर मे शिक्षा की द्वीप जलाने तथा बच्चो के बेहतर शिक्षा ग्रहण करवाने के प्रति हमेशा संवेदनशील रहे है। सेवानिवृत्त होकर समाज को बेहतर दिशा देने मे अपना योगदान दे। कहा कि शिक्षक रामेश्वर मांझी की बेहतर जीवन सुखमय बीते यही कामना है। सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक अध्यापक रामेश्वर मांझी ने कहा कि विधालय की बेहतर शिक्षा संचालित मे शिक्षिकाओ व ग्रामीणो का हमेशा सहयोग व स्नेह प्यार मिला है। जिसका मै हमेशा के लिए कर्जदार हुं। कहा कि सेवानिवृत्त के बाद समाज को बेहतर दिशा देने मे अहम योगदान निभायेंगे। सीआरपी मनोज कुमार, सरिता देवी, सुमित्रा, सुलेखा देवी,मंजू देवी, मुकेश कुमार, कुन्ती कुमारी, अनिता देवी,लालीमा तिग्गा,मोहरलाल, गुडीया देवी सहित विद्यालय के शिक्षकगण मौजूद थे।

गाँव में नहीं थम रहा है कुत्तों का आतंक

इचाक प्रखंड मे आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके आक्रामक व्यवहार से स्थानीय निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इचाक मे लगभग हर गली-मोहल्ले में कुत्तों के झुंड देखे जा सकते हैं, जो राहगीरों, बाइक सवारों और चारपहिया वाहनों के पीछे दौड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। हजारीबाग में प्रतिदिन 40 से 50 कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं, और जनवरी से अप्रैल 2024 तक जिले में कुल 2,650 केस दर्ज किए गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाल के दिनों में चरवाह नहीं मिलने के चलते कई मवेशी गाय बकरी बछड़े बैल आदि को खाली परीक्षित के मैदान में दिनभर करने के लिए बाँध देते हैं ऐसे में कुत्तों की झूठ उन पर हमला बोल देते हैं जिससे मवेशी पलकों में हड़कंप मचा हुआ है लोगों ने जिला प्रशासन से अपील किया है की हिंसक प्रवृत्ति को कम करने के लिए अस्थाई उपचार की मांग की है

पलायन की समस्या का समाधानः झारखंड सरकार के लिए एक चुनौती

संवाददाता।

झारखंड राज्य के गठन के 24 साल बाद भी पलायन एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, जो यह दर्शाता है कि राज्य में रोजगार की कमी और विकास की धीमी गति जैसी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। झारखंड एक ऐसा राज्य है जो खनिज संसाधनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, लेकिन इसके बावजूद यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं ।

इस समस्या के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक यह है कि राज्य में उद्योगों और व्यवसायों की कमी है, जिससे रोजगार के अवसर सीमित हैं। इसके अलावा, शिक्षा और कौशल विकास की कमी भी एक बड़ी समस्या है, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए तैयार नहीं किया जा सकता है।

इस समस्या का समाधान करने के लिए, झारखंड सरकार को उद्योगों और व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने होंगे, साथ ही शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देना होगा। इसके अलावा, राज्य सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भी काम करना होगा।

इसके लिए सरकार को निम्नलिखित कदम उठाने होंगे:

1. उद्योगों को बढ़ावा देनाः सरकार को उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने होंगे, जैसे कि उद्योगों के लिए जमीन और बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करना, उद्योगों को ऋण और अनुदान प्रदान करना, और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियां बनाना।
2. शिक्षा और कौशल विकासः सरकार को शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा, जैसे कि व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, और उच्च शिक्षा कार्यक्रम।
3. रोजगार के अवसर प्रदान करनाः सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए काम करना होगा, जैसे कि सरकारी नौकरियों में भर्ती, उद्योगों में प्रशिक्षण और रोजगार, और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना।
4. ग्रामीण विकासः सरकार को ग्रामीण विकास पर ध्यान देना होगा, जैसे कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देना और सिंचाई स्वास्थ्य जैसे मूलभूत बिंदुओं पर धरातल में काम करने की जरूरत है।

एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

बड़कागांव ।

एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, ढेंगा, बड़कागांव में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य रूप आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पीबीसीएमपी के प्रमुख फैज़ तैयब ने कार्यक्रम की शुरुआत में महान वैज्ञानिक सी वी रमन के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विधिवत दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी मेले में संस्थान के प्रशिक्षु द्वारा आधुनिक तकनीकी से लैस और खासकर एनटीपीसी के प्रशिक्षु प्रशिक्षण के दौरान आईआईटी गांधीनगर तक का सफर करवा कर आधुनिक तकनीकी पजल्स का प्रदर्शनी किया गया आए हुए प्रखंड के कई स्कूली ,कॉलेज छात्र-छात्रा भाग लिया इस वर्ष का थीम ₹विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनानार था। वही संस्थान प्राचार्य मिथिलेश उपाध्याय ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि संस्थान के नोडल ऑफिसर एनटीपीसी सी एस आर प्रबंधक कमला राम रजक को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र दे कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में तकनीकी प्रदर्शनी और पहेली समाधान प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रहे। इस दौरान 60 से अधिक तकनीकी मॉडल और परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें आईटीआई प्रशिक्षुओं द्वारा सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं। इसके अलावा, 20 विभिन्न स्टॉलों पर स्कूली छात्रों के बीच पहेली समाधान प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस विज्ञान उत्सव में विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेज के कौटिल्य वोमेंस कॉलेज बड़कागांव, संगम पब्लिक स्कूल, गर्ल्स मेमोरियल स्कूल बड़कागांव , जीडीएम गर्ल्स हाई स्कूल बड़कागांव, सरगम इंटर मेमोरियल स्कूल बड़कागांव, बीएम मेमोरियल स्कूल बड़कागांव, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बड़कागांव के छात्रों, विज्ञान संकाय के शिक्षकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कुल 350 प्रतिभागियों की भागीदारी से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

मुख्य अतिथि फैज़ तैयब ने आईआईटी गांधीनगर में इंटर्नशिप के लिए चयनित तीन मेधावी प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धियों और कौशल विकास में योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया एवं विभिन्न विद्यालय से आए हुए विज्ञान के शिक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया । उन्होंने तकनीकी प्रदर्शनी और पहेली समाधान प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि आईआईटी गांधीनगर के इंटर्न्स के सहयोग से कार्यक्रम की गुणवत्ता अत्यंत उच्च रही।

इरफान, श्रीनाथ श्री , प्रदीप कुमार ,मुकेश कुमार, अमरेश विद्यार्थी ,विकास चौरसिया, शाहिद अख्तर, शिवलाल महतो, उपेंद्र कुमार, संजीत मेहता ,प्रदीप गुप्ता ,सुनील सिंह, रवि कुमार एवं प्रतिभागियों को बधाई दी गई और विज्ञान एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता पर जोर दिया गया।

न्यूज अपडेट

विष्णुगढ़ के पंचायत सिरय में ग्राम सभा का हुआ आयोजन

श्रमबिंदु विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरय के पंचायत सचिवालय भवन में मुखिया हेमंती देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। आयोजित ग्राम सभा में मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जीपीडीपी के तहत वार्षिक योजना तैयार करने हेतु विस्तृत तौर पर चर्चा की गई। इसके अलावा वृद्धा वस्था पेंशन, विधवा पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भौतिक सत्यापन भी किया गया। इसके साथ ही मुखिया हेमंती देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा के द्वारा पंचायत सहायक का भी चयन किया गया। मुखिया हेमंती देवी ने बताया कि ग्राम सभा का आयोजन कर पंचायत समिति सदस्य, उपमुखिया, सभी वार्ड सदस्यों, स्थानीय ग्रामीणों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति एवं सहभागिता से जन उपयोगी योजनाओं का चयन किया गया ताकि सभी जन उपयोगी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों एवं जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके।

विधायक ने सदन में उठाया गौरिया गांव की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मामला , सरकार करेगी कार्रवाई

प्रतिनिधि बरही। विधायक मनोज कुमार यादव, बरही के द्वारा विधानसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा.-02 के उत्तर में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने स्वीकार किया है।हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड अंतर्गत गौरियाकरमा पंचायत ग्राम गौरिया में खाता संख्या- 01 एवं प्लॉट संख्या- 2900 की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण का मामला है। संबंधित भूमि गैरमजरूआ खास खाते की है, जिस पर पिछले 30 - 40 वर्षों से ग्रामीणों का बसावट है। वर्तमान में वहां 60-70 मकान (कच्चे-पक्के), कुएं और खेत मौजूद हैं।कुछ रैयतों के पास राजा कामख्या नारायण सिंह द्वारा जारी हुकुमनामा और ऑफलाइन रसीदें भी उपलब्ध हैं।अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए झारखंड पब्लिक लैंड एन्क्रॉचमेंट एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उपयोगी योजनाओं के लिए संरक्षित करने की दिशा में प्रशासन आवश्यक कदम उठा रहा है। उपायुक्त, हजारीबाग ने भी इस संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही है।

डीएसपी ने बरही अंचल थाना का किया वार्षिक निरीक्षण

प्रतिनिधि बरही। शुक्रवार को बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल ने बरही अंचल थाना का वार्षिक निरीक्षण किए। मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार मौजूद थे। निरीक्षण क्रम में बरही अंचल अंतर्गत चौपारण थाना, पदमा ओपी एवं महिला थाना बरही से संबंधित विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन कर कई आवश्यक दिशा निर्देश को दिया गया। इस दौरान खतियान, क्राइम इंडेक्स, अपराध मानचित्र, बिल्डिंग, सरिस्ता पंजी, लंबित कांडों का रिव्यू, विभिन्न दस्तावेजों का निरीक्षण किया गया।

आजसू प्रखण्ड अध्यक्ष पर दुष्कर्म का असफल प्रयास करने का लगा आरोप, मामला दर्ज

श्रमबिंदु विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखण्ड की एक महिला ने आजसू के विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार मण्डल पर दुष्कर्म का असफल प्रयास करने का आरोप लगाया है, पीड़िता के बयान पर विष्णुगढ़ थाने में कांड संख्या 32/2025 भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 74, 75, 76 एवं 79 के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि आरोपी अजय कुमार मंडल ने इसे निराधार बताते हुए खुद को निर्दोष बताया है। थाने में दर्ज करवाये गये बयान में महिला द्वारा कहा गया है कि उसका पति काम धंधे को लेकर मुम्बई में रहता है, इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए आरोपी पर परेशान करने, अभद्रता करने, मर्यादा भंग करने एवं गन्दी नियत से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि 23 फरवरी की रात आरोपी उसके घर गया एवं बजबरन उसके घर घुस गया, तब महिला अपने बिस्तर पर सो रही थी। महिला के साथ बजबरन दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा, जिसका महिला ने विरोध किया। बचाव में महिला के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग खड़ा हुआ। इस सम्बंध में आरोपी से पूछने पर बताया कि मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं, साजिश के तहत मुझें फसाया गया है।

विधायक नागेंद्र महतो ने सदन में उठाया अलपीटो पंचायत का मामला

- **सड़क निर्माण एवं पुलिया निर्माण की रखी मांग**

श्रमबिंदु विष्णुगढ़। बगोदर विधानसभा विधायक नागेंद्र महतो ने विधानसभा सत्र के चौथे दिन सदन बगोदर विधानसभा क्षेत्र के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत अलपीटो पंचायत की समस्याओं को सदन में उठाया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को अवगत कराया कि विष्णुगढ़ प्रखंड के कोनार नहर सिंचाई परियोजना में बगोदर-हजारीबाग मुख्य मार्ग एनएच 522 में अलपीटो से हेटली बोदरा तक नहर के दोनों तरफ तकरीबन 1-1 किलोमीटर तक की कच्ची सड़क है, जो काफी जर्जर अवस्था में है। उक्त सड़क पर रोजाना हजारों लोगों का आवागमन होता है, इसके अलावा हेठली बोदरा के हरिजन टोला के सामने नहर में पुलिया निर्माण करना आवश्यक है। बता दें कि विगत दिनों स्थानीयों लोगों ने बगोदर विधायक श्री महतो को उक्त समस्याओं से अवगत करवाया था, जिसके संदर्भ में बगोदर विधायक ने सदन के शून्यकाल में जनहित एवं आवागमन सुविधा के लिए उक्त सड़क एवं पुलिया निर्माण करने की मांग की।

अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक संपन्न...

_ युवाओं की रोजगार की क्षमता में वृद्धि करना उन्हे झारखण्ड एवं भारत के आर्थिक विकास के लिए सशक्त बनाना योजना का मुख्य उद्देश्य है_

गिरिडीह।

अपर समाहर्त्ता, गिरिडीह की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर से कौशल विकास के लिए कार्य योजना तैयार करें एवं रोजगार से जुड़ने के लिए सभी प्रशिक्षणार्थीयों को प्रेरित करे। गिरिडीह जिला में अवस्थित कारखाना/अस्पताल/मॉल/होटल व वित्तिय संस्थान जिसे भी कुशल कर्मी की आवश्यकता है वो जिला में प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षण सेवा प्रदाता से संपर्क कर सकते है। साथ ही उन्होनें कहा कि गिरिडीह में कारखाना/अस्पताल/मॉल/होटल व्यवसाय, हेवी व्हीकल व उसकी मरम्मती करना सहित रोजगार के अन्य साधन हैं। इसे ध्यान में रखकर कौशल विकास केन्द्रों में लोगों को प्रशिक्षित करें। बैठक में जिला कौशल समन्वयक श्री नवलेश निहार ने मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत दीनदयाल उपध्याय कौशल केन्द्र, सक्षम झारखण्ड कौशल विकास योजना, बिरसा एवं एक्सेल योजना के बारे में विस्तृत जानकारी सभी जिला कौशल समिति के सदस्यों को दिया गया। श्री नवलेश द्वारा बताया गया कि जिला में कुल संचालित प्रशिक्षण केन्द्र चौदह हैं एवं संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों में अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाता है जैसे सिलाई, कम्पयुटर, हेल्थ केयर, इलेक्ट्रोनिक्स, लोजिस्टिक, कन्सट्रक्सन, फुड प्रोसेसींग आदि सहित रोजगार के अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

जिला कौशल पदाधिकारी,रवि शंकर ने योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि झारखण्ड के युवाओ के लिए स्वरोजगार और उद्यमशीलता कौशल विकसित करना, युवाओं की रोजगार की क्षमता में वृद्धि करना उन्हे झारखण्ड एवं भारत के आर्थिक विकास के लिए सशक्त बनाना योजना का मुख्य उद्देश्य है।

बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि एवं गिरिडीह में कार्य कर रहे सभी प्रशिक्षण सेवा प्रदाता के प्रतिनिधि इत्यादि उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट

अवैध मुहानों को बंद करने को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा कड़ी कार्रवाई

- **पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति में अवैध मुहाने किया गया बंद**

श्रमबिंदु/रामगढ़।अवैध खनन पर रोक को लेकर उपायुक्त चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अवैध मुहानों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने का निर्देश दिया गया है।इसी क्रम में शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी एवं खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक के नेतृत्व में रामगढ़ जिला अंतर्गत मांडू प्रखंड के बसंतपुर क्षेत्र में विभिन्न अवैध मुहानों को सुबह से ही बंद करने का कार्य प्रारंभ किया गया जो अलग-अलग जगहों पर गठित टीम के द्वारा संचालित अवैध मुहानों को बंद किया जाएगा।मौके पर अधिकारियों ने बताया कि जिले के अलग-अलग स्थलों पर अवैध मुहानों को चिन्हित किए गए मुहानों पर जिला प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई करते हुए बंद करने हेतु कार्य प्रारंभ किया गया जो जिले के अलग-अलग क्षेत्र में भी अभियान मोड पर सभी अवैध मुहानों को बंद करेंगे।मौके पर मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी नितेश कुमार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

चितरपुर डिग्री कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि बनाये गए प्रो कुरातूल एन

श्रमबिंदु,/रामगढ़। चितरपुर डिग्री महाविद्यालय में शिक्षक प्रतिनिधि चयन को लेकर शिक्षक- शिक्षिकाओं की एक बैठक आयोजित की गई। शिक्षक प्रतिनिधि चयन में दो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन कराया प्रो कुरातूल एन और प्रो निखहत परवीन दो प्रत्याशियों के पक्ष में पर्ची के माध्यम से वोट डाला गया।कुल मतों की गिनती की गई परिणाम मे कुरातूल एन को 09 मत मिला व जीत हासिल किया जबकि दूसरे प्रत्याशी निखहत प्रवीण के पक्ष में कुल 07 मत ही प्राप्त हुआ।सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले प्रोफेसर कुरातूल एन को शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में चयन किया गया शिक्षक प्रतिनिधि चयन में गोपनीयता पर विशेष ध्यान रखा गया था इस चुनाव प्रक्रिया मे चितरपुर कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर संज्ञा ने की जिसकी देखरेख मे चयन प्रक्रिया संपन्न हुआ। इस दौरान शिक्षक प्रतिनिधि बनने के बाद विजय प्रत्याशी को प्राचार्य के द्वारा फूल माला पहनाकर, बुके देकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर प्रो निरंजन महतो, प्रो मनोज कु झा,प्रो ज्योति कुमारी, प्रो जूही उपाध्याय, प्रो उत्तम कुमार ,डॉ हिना कौसर, प्रो मीणा मुंडा,प्रो रेवालाल पटेल, प्रो शबाना अंजुम, प्रो अंजू कुमारी,प्रो अंजनी करमाली, प्रो तारा शंकर अग्रवाल, प्रो दीपक कुमार,प्रो नगमा नौशाद सहित कई मौजूद रहें!

अर्न्तराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

श्रमबिंदु/रामगढ़। डॉ एस राधाकृष्ण- शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा,लारी,के बहुउद्देशीय सभागार में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं डॉ एस राधाकृष्ण- शिक्षक प्रशिक्षणमहाविद्यालय,सुकरीगढ़ा,लारी के संयुक्त तत्वाधान में अर्न्तराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि महेन्द्र कुमार सिंह(शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास सह प्रांत संयोजक)ने अर्न्तराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कहा कि हमें दूसरी भाषा के सीखने के साथ अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देनी
चाहिए।महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय कुमार प्रभाकर ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होनी चाहिए, इसके बिना हमारा अस्तित्व नहीं।तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील कुमार उपाध्याय एवं शिक्षकगण मुख्य रूप से
उपस्थित रहें एवं अपने विचारों को रखा।अर्न्तराष्ट्रीय मातृभाषा संगोष्ठी में बीएड प्रशिक्षुओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में शाइका परवीन,सतेन्द्र कुमार, सबिता कुमारी,मोनिका कुमारी,दीक्षा कुमारी,निदा फिरदौस एवं खुशबू भगत इत्यादि शमिल थे।
मंच का संचालन सहायक प्राध्यापक नयन कुमार मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अशोक राम के द्वारा किया गया।
उपस्थित शिक्षकों में मुरारी कुमार दुबे, सुप्रिया बर्मन, इन्दु झा,कर्मचारियों में नन्दलाल कुमार, इत्यादि मौजूद रहे।

चितरा कोलियरी के विस्थापितों और मजदूरों की समस्याओं के लिए सारठ विधायक प्रतिनिधि किये महाप्रबंधक के साथ बैठक

चितरा। एस पी माइंस चितरा कोलियरी के मजदूरों व विस्थापितों को समस्याओं को लेकर सारठ विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने कोलियरी के महाप्रबंधक कार्यालय में कोलियरी महाप्रबंधक ए के आनंद के साथ बैठक किये। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह ने कहा कि चितरा कोलियरी के विस्थापितों का मुआवजा भुगतान संबंधी शिकायत का जल्द समाधान किया जाये। जिससे कोलियरी विस्तार में तेजी आयेगी और विस्थापितों की समस्याओं का भी समाधान होगा। साथ ही रोड सेल के तहत 62 हजार टन कोयला का ऑफर देने पर विचार विमर्श किया। जिससे सभी कैजुअल मजदूरों को नियमित रूप से रोजगार मिलेगा और ट्रैकों में भी कोयला लोडिंग का कार्य अधिक से अधिक हो सकेगा। साथ ही कोलियरी में कार्यरत कर्मचारियों के लंबित प्रमोशन पर भी चर्चा की गई। वहीं इस सम्बन्ध में कोलियरी के महाप्रबंधक ए के आनंद ने आश्वासन दिया कि कोयला ऑफर बढ़ाया जाएगा एवं विस्थापितों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाया जाएगा। इस इस दौरान चितरा कोयला व्यवसायी एवं ट्रक ऑनर संघ के अध्यक्ष पप्पू भोक्ता, इंटक सचिव योगेश राय, अशोक भोक्ता, विक्की भोक्ता, बंकिम भोक्ता, सौरभ भोक्ता, राजू दास, गौरव भोक्ता, उत्तम राजवंशी, ताजमुल अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश श्रीवास्तव को दी गई श्रद्धांजलि

निरसा।

निरसा चिरकुंडा अंचल पत्रकार संघ के बैनर तले निरसा प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को वरीय पत्रकार स्व मुकेश श्रीवास्तव की 13 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। उनके तस्वीर पर पत्रकारों, बुद्धिजीवियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। वरीय पत्रकार बीके सिंह ने कहा कि मुकेश श्रीवास्तव कलाम के धनी होने के साथ-साथ व्यवहार कुशल व्यक्तित्व के थे। उन्होंने अपनी लेखनी से समाज को नई दिशा दिखाई। हमेशा सामाजिक कुरीतियों के साथ-साथ समाज में व्याप्त असमानता पर अपनी कलम चलाई। वे एक अच्छे क्रिकेट खिलाड़ी भी थे। उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले क्रिकेट प्रतियोगिता में भी भाग लेते थे। उन्होंने हमेशा नए पत्रकारों को पत्रकारिता के लिए प्रेरित किया। वर्तमान समय में पत्रकारों के समक्ष कठिन चुनौतियां हैं। हमें अपने वरिष्ठ साथियों के अनुभवों के साथ-साथ अपने अनुभव के साथ इन चुनौतियों का सामना करना है। आज वे हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके बताए मार्ग पर हम सभी चलें यही उनके सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद एवं संचालन सचिव संजय सिंह ने किया। मौके पर निरसा बीडीओ इंद्रलाल ओहदार, निरसा व्यापार मंडल समिति के श्यामदेव चौरसिया, सुनील अम्बष्ट, उत्तम झा, धर्मदेव चौधरी, हरेंद्र कुमार सैनी, अनिमेष पोद्दार, अवध प्रसाद, अमित श्रीवास्तव, संजय सिंह, विश्वजीत पांडे, पूर्णेन्दु दत्ता, इंद्रदेव राजवंशी, विजय श्रीवास्तव, अरुप पाल, सपन कांजीलाल, दिनेश गोस्वामी, अजीत साधु, बुबाई घोष, संजय शर्मा आदि थे।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगे 700 पौधों को जलाया

डुमरी।

सरकार द्वारा दिए गए बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत तीन एकड़ भूमि में लगे छः सात फुट ऊंचे हो चुके करीब 700 पौधों को आग लगा दिया गया।ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के उत्थान हेतु मनरेगा के तहत यह महत्वाकांक्षी योजना को नष्ट करने में लगे हुए हैं कुछ असामाजिक तत्व।
निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहेडीह पंचायत के पूर्व मुखिया जगदीश रजक ने थाना में आवेदन देकर अपनी जमीन पर मनरेगा योजना के तहत लगे आम बागवानी में 27 फरवरी को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा आग लगा देने की बात कही है।आवेदन में लिखा है कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा आम-बागवानी-में आग लगा देने से लाखो रुपये के पेड़ एवं फल की नुकसान हुआ है।लिखा है कि मै अपने पैतृक जमीन लगभग 3 एकड मे आम का कुल 250 पेड के अलावे जामुन अमरूद,नारियल,महूवा,शीशम,सागवान,काजू लीची, मोहगनी,नींबू वगैरह 700 पौधा बिरसा हरित ग्राम योजना (मनरेगा) 2019-20 में लगाया था जिसमें 27 फरवरी को करीब दोपहर 2 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बागीचा के पश्चिम साइड से आग लगा दिया, जिससे मेरा घेराबन्दी लकडी बांस के अलावे सारा पेड आग के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है।
आवेदन में लिखा कि इस तरह की आगलगी की घटना वर्ष 2022-23 में भी किया जा चुका था जिसमें सैकड़ों पेड़ पौधो की क्षति हुई थी एवं मंजर सहित आम फल की बर्बादी हुई थी।
मांग किया है कि इस आगलगी घटना की जांच करते हुए उचित कानुनी कार्रवाई करें।ताकि आम बागवानी में आगलगी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक हुआ संपन्न

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त,गोड्डा श्री जिशान कमर की अध्यक्षता में जिला सड़क टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई।
इस दौरान उपायुक्त के द्वारा विगत बैठक मे दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की गई तथा हिट एण्ड रन से संबंधित सभी मामलों को त्वरित गति से निष्पादित करने ,ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन हेतु विशेष अभियान चलाए जाने,जिला प्रशासन पुलिस और संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दिए जाने, सभी भारी और ओवरलोडेड वाहनों की नियमित और सघन जांच करने तथा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।
इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, गोड्डा अनिमेष नैथानी, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गोड्डा अशोक प्रियदर्शी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महागामा चंद्रशेखर, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया ,जिला खनन पदाधिकारी ,गोड्डा, सभी अंचल अधिकारी मौजूद थे।

एनएसएस यूनिट सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन स्वामी विवेकानंद मठ का किया भ्रमण

मधुपुर/

एनएसएस यूनिट तीन के मधुपुर महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुक्रवार को चौथा दिन था। सभी स्वयं सेवक मधुपुर महाविद्यालय में उपस्थित हुए।कर्ण यादव ने रिपोर्ट पढ़ा और थीम गाना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। इसके बाद सभी मधुपुर में स्थित विभिन्न मठों और ऐतिहासिक जगहों का भ्रमण करने एवं जानकारी संग्रहित करने के लिए निकले। सभी स्वयं सेवक ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और सभी जगहों को दिलचस्पी से भ्रमण कर शिक्षा ग्रहण कि। ए। कपिल मठ पर महाराज करुणा अरण्य ने लगभग चालीस मिनिट तक साधु संत के इतिहास तथा विभिन्न दर्शन को स्वयं सेवकों के बीच साझा किए। एनएसएस इकाई तीन के नोडल अधिकारी डा. अनीता गुआ हेंब्रम ने महाराज के शुभ संदेशों के लिए धन्यवाद दिए और सभी स्वयं सेवकों को अच्छी आदर्शों के प्रति समर्पित रहने को कहा। साथ ही साथ स्वामी विवेकानंद मठ पर भी एक विशेष भ्रमण हुआ। जिसमें वहां उपस्थित पूर्व ब्रिटिश शासन के समय के जज अजीत कुमार नायक ने भारत और विश्व इतिहास के बारे में विस्तार पूर्वक लगभग एक घंटा तक शिक्षा दिए एवं वाद विवाद किए। बताते चलें कि वर्तमान में अजीत कुमार नायक विवेकानंद मठ, मधुपुर के अध्यक्ष भी हैं। सभी स्वयंसेवक वृंदावन रेस्टोरेंट में जमा होकर दिन का भोजन ग्रहण किए और सभी अगले दिन के विशेष शिविर के लिए अपने अपने घर प्रस्थान किए।

क्षत्रिय महासभा सिल्ली के संयुक्त तत्वावधान मे स्व राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव की जयंती हर्षोल्लास से मनाया

सिल्ली:- सिल्ली ड्रामेटिक क्लब परिसर में शुक्रवार को ड्रामेटिक क्लब, पंच परगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन व क्षत्रिय महासभा सिल्ली के संयुक्त तत्वावधान मे स्व राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव की जयंती हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम को लेकर सिल्ली राजबाड़ी से कार्यक्रम स्थल तक एक शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें राज परिवार के सदस्य, क्षत्रिय महासभा के सदस्य एवं कलाकारों का दल गाजे बाजे के साथ सांस्कृतिक शोभायात्रा के रूप में आयोजन स्थल तक पहुंचा। प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक,राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव, रुद्राक्ष सिंह देव, पंसस ज्योति कुमारी , दीपा कुमारी, राज परिवार के सदस्य, ड्रामाटिक क्लब के सदस्य, क्षत्रिय समाज के सदस्य,पंच परगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन के सदस्य एवं स्थानीय लोगों ने स्व राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव एवं स्व राजा वीरेंद्र नाथ सिंह देव के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। दो दिवसीय राजा जयंती समारोह का शुभारंभ में गुरुवार को वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रांची, बोकारो, टाटीसिलवे, सोनाहातु, बुंडू, पुरुलिया, बोकारो समेत आसपास के कुल 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में सिंगपुर मुरी को 25/24, 24/22 के सिधे सेट में हराकर ड्रामेटिक क्लब की टीम चैंपियन बना। देर शाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी,पुर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी, अखिल महतो समेत आदि शामिल हुए। सुदेश कुमार महतो एवं अन्य अतिथियों ने वॉलीबॉल के चैंपियन टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व सिल्ली के विभिन्न क्षेत्र से आये सांस्कृतिक कलाकारों ने अपने झूमर संगीत के माध्यम से स्व राजा उपेंद्रनाथ सिंह देव को श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि स्व राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव अपने जमाने के झूमर के गितकार एवं ताल मंजरी झूमर के लेखक स्व बिनंदो सिंह देव के वंशज थे। सिल्ली के सरोज सिंह एवं साथी कलाकारों ने गणेश वंदना झूमर से कार्यक्रम का आगाज किया। कलाकारों ने पंचपरगना एवं कुड़माली झूमर गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को थिरकने को मजबुर किया।देर शाम तक दर्शकों ने कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। संचालन भरत देव साय ने किया । जयपाल सिंह व गौतम कृष्ण साहू ने इस तरह के आयोजन को लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का ध्वज वाहक कहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ड्रामेटिक क्लब, पंच परगना ऑल आर्टिस्ट एसोसिएशन व क्षत्रीय महासभा के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

डुमरी। डूमरी प्रखंड के ठाकुरचक गांव में शुक्रवार को विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झारखंड एकता किसान मजदूर युनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने नारियल फोड़ कर एवं फीता काट कर किया।
बताया जाता है कि 15 दिन पूर्व गांव में लगा 63 केबीए का ट्रांसफार्मर जल गया था। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने यूनियन को दी। साथ ही नया ट्रांसफार्मर लगाने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया।यूनियन के प्रयास से बिजली विभाग के द्वारा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया, जिसका उद्घाटन किया गया।
मौके पर यूनियन केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु यूनियन हमेशा प्रयत्नशील रहता है। इस दौरान यूनियन के केंद्रीय महासचिव रवीन्द्र कुमार कोषाध्यक्ष नुनुचन्द महतो महासचिव शाहिद अंसारी,मदन मोहली केंद्रीय सचिव जाफर अंसारी केन्द्रीय सदस्य धनेश्वर महतो महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रजिया खातुन प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र यादव ठाकुरचक पंचायत अध्यक्ष डेगलाल महतो आदि उपस्थित थे।

श्री श्री 1008 शिव परिवार पुनर्प्रतिष्ठापण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

देवघर से आए कथा वाचक के द्वारा कथा कार्यक्रम किया गया

गिरिडीह।

श्री महेश्वरनाथ शिव मंदिर यज्ञ समिति शिवपुरी गिरिडीह द्वारा आयोजित श्री श्री 1008 शिव परिवार पुनर्प्रतिष्ठापण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के अवसर पर 24 फरवरी 2025 को जल यात्रा,पूजा तथा 25 फरवरी 2025 को पूजा कर सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु भक्तों द्वारा नगर भ्रमण एवं शिव परिवार के सभी सदस्यों को महास्नान कराते हुए रात्रि में जागरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। देवघर से आए कथा वाचक के द्वारा कथा कार्यक्रम किया गया।
वहीं 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन पूजा के बाद बाबा भोलेनाथ, माता पार्वती ,दुर्गे माता, गणेश भगवान ,कार्तिक भगवान ,नंदी एवं बजरंगबली का प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत नगर भ्रमण में एकल अभियान के राष्ट्रीय महामंत्री एवं अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी डॉक्टर ललन शर्मा अभियान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार राय जी सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु भक्तों के द्वारा नगर भ्रमण किया गया। 27 फरवरी 2025 को भव्य रूप से आयोजित भंडारा कार्यक्रम में हजारों हजार की संख्या में श्रद्धालु भक्त आकर बाबा का दर्शन करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष कुमार गौरव, सचिव मोनू पांडे, उपाध्यक्ष राहुल राज, रितिक राज, कुंदन सिंह राजपूत ,कुणाल सिंह ,मिर्गेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष अजय यादव, गौरव कुमार कीरीश कुमार, आलोक कुमार , राजा ,आशीष कुमार, डुग्गू राजगीर कन्हैया , विवेक ,विशाल एवं कमेटी के संरक्षक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, डॉक्टर समीर चौधरी , युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री संजीव कुमार, वासुदेव राम चंद्रवंशी ,योगेश्वर मेहता, सुनीत सिंह अमित पासवान राजेश सिंन्हा अनुपम बरनवाल, संजय बरनवाल बलराम विश्वकर्मा विजय बरनवाल सरवन कुमार राजेंद्र प्रसाद शशि प्रसाद सिंह सहित अन्य अभिव्यक्ति भावकों का सहयोग प्राप्त हुआ।
उक्त अवसर पर शाम को यज्ञ के प्रधान यजमान सह संरक्षक इंजीनियर विनय कुमार सिंह द्वारा बताया गया की यज्ञ की पूर्णतः सफलता में कमेटी के सभी सदस्य एवं अभिभावकों सहित गिरिडीह के सम्मानित नागरिकों का सहयोग प्राप्त हुआ यह महायज्ञ एकता का प्रतीक है,अन्य यजमान राकेश प्रसाद, रिशु सिंनहा एवं अजय यादव थे। उक्त अवसर पर साहिबगंज के पूर्व विधायक और गिरिडीह भाजपा के चुनाव प्रभारी अनंत ओझा, सह प्रभारी शशि भूषण प्रसाद ,भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, लोजपा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ,कांग्रेस जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया गिरिडीह के वरिष्ठ अधिवक्ता मंटू सिंन्हा ,समाज के अध्यक्ष गौरीशंकर सिंह शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री मैनेजर सिंह, सहित हजारों हजार की संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धिजीवी एवं प्रबुद्ध नागरिक प्रसाद ग्रहण किया।

न्यूज अपडेट

संदिग्ध अवस्था में टुंडी थाना के चौकीदार का शव मिला खेत में

श्रमबिंदु /धनबाद। टुंडी थाना में पदस्थापित चौकीदार रोहित बाउरी (40) का शव गुरुवार की देर शाम दुर्गाडीह के पास खेत में संदेहास्पद स्थिति में मिला, दुर्गाडीह में उसका घर भी है, लोगों ने बताया कि मृतक अत्यधिक मदिरा का सेवन करता था, उसकी मौत कैसी हुई, पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल पायेगा, बताया जाता है कि रोहित के पिता सुकू बाउरी पहले चौकीदार था. वर्ष 2009 में पिता के जगह पर उसकी चौकीदार में बहाली हुई थी ।

चौथी बार निरसा तिन का पोटारी मध्य विद्यालय में, चोरों ने चोरी कर खाने पीने का सामान लेकर भाग गए

श्रमबिंदु /धनबाद । चिरकुंडा, पोटरी स्थित स्कूल के प्रधानाध्यापक के द्वारा बताया गया की स्कूल में यह चौथी बार चोरी की घटना घटी है। जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाध्यापक विष्णु लाल किस्कु ने बताया कि पहले भी कई बार स्कूल में चोरी की घटना घट चुकी है। लेकिन बीती रात चोरों ने स्कूल में रखे चावल दाल तेल और अन्य खाने-पीने सामान के साथ पानी के मोटर और कुछ कुर्सियां चोरी कर ली गई है।

जिसकी लिखित शिकायत कुमारधुबी ओपी में की गई है।
इसकी सूचना मिलते ही कुमारधुबी की पुलिस स्कूल में पहुंचकर मामले के छानबीन में जुट गई है।

वही माता समिति के सदस्य चाइना बावरी ने कहा स्टोर में रखे बक्से में चावल दाल तेल जैसे सभी सामान रखे हुए थे। सुबह देखा तो पूरा बक्सा खाली है। इसकी जानकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को दिया गया। एग्यारकुंड प्रखंड के उप प्रमुख विनोद दास ने कहा कि यह स्कूल प्रबंधन की लापरवाही है। पहले भी स्कूल से कई कीमती सामानों की चोरी हो गई है। इसके बाद भी प्रबंधक सजग नहीं हुए, यह चौथी बार स्कूल में चोरी की घटना हुई है। स्कूल के प्रधानाध्यापक को सीसीटीवी कैमरा लगाना चाहिए, स्कूल के बाउंड्री वालों को ऊंचा करना चाहिए, दीवार का हाइट कम रहने के कारण चोर दीवार फांधकर स्कूल में प्रवेश करते हैं।

पतालेश्वर मंदिर प्रांगण में 51 कुंवारी कन्याओं की पूजन के पश्चात महाभण्डारा का आयोजन

श्रमबिंदु /धनबाद ।तिसरा, बलियापुर प्रखंड के अलकड़ीहा ,स्थित पतालेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्री के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी भोलेनाथ व अन्य देवी देवताओ का पूजा अर्चना,कर महा प्रसाद का भोग लगाई गई। 51 कुंवारी कन्याओं का महिलाओ द्वारा प्रथम चरण में पांव पखारने के पश्चात अंग बस्त्र श्रृंगार युक्त कन्याओं का पूजन कर प्रसाद ग्रहण कराई गई, इसके बाद पश्चात आम उपस्थित गणमान्य भग्तों के लिए महाप्रसाद वितरण का आयोजन देर रात्री तक चलता रहा।
मंदिर के पूजारी ने बताया की, जात पात पूछे नहीं कोई, हरी के भजे सो हरी के होई। धनबाद जिले के शिव भक्तों के सहयोग से इस तरह का विशाल महाभण्डारा का आयोजन वर्षों से लगातार हो रहा हैं। सैकड़ो भग्त गण के सहयोग 24 आवर्श सक्रिय रूप से तन मन और धन से समर्पित शिव भग्तों के अटूट श्रध्दा से व ग्राम वासियों का सहयोग मंदिर प्रांगण मे देखने लायक रहा।
सैकड़ो की संख्या में जो भी भग्त उपस्थित हुए श्रद्धा से बैठ कर महाप्रसाद ग्रहन कर संतुष्ट हो कर अपने परिजनो के लिए भी अन्य पात्र में लेकर दिन भर आते और जाते रहें। इस अवसर पर तिसरा थानेदार सुमन कुमार अपने दल बल के साथ शिव भग्तों की सेवा में तत्पर रह कर सहयोग किया। मंदिर कमिटि के पूजारी शंदीप शास्त्री अमित मुखर्जी बसंत ठाकुर नविण मुखर्जी प्रविर मुखर्जी
मंदिर कमिटि के अध्यक्ष जयन्ती सिंह चण्डीचरण मोदक कुलदीप साव हीरालाल मोदक दीपक मोदक शिदधेश्वर मोदक नरेश महतो व अन्य भग्त सेवा में लगे रहें।

चल रहा था आरओ प्लांट निगम के सप्लाई पानी से , स्टैंड पोस्ट से कई घरों में दिया गया था पानी कनेक्शन

श्रमबिंदु /धनबाद । नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने देव विहार रेसीडेंसी, झारूडीह में अवैध जल संयोजन की जांच की. सात से आठ अपार्टमेंट की जांच में कई में गड़बड़ी मिली, इसके अलावा एक आवासीय परिसर में सप्लाई पानी से आरओ प्लांट की जांच की गयी. सभी को कागजात के साथ नगर निगम में बुलाया गया है. जांच के दौरान झारूडीह में स्टैंड पोस्ट से कई घरों में पानी कनेक्शन का भी मामला पकड़ा गया है. निगम के अधिकारी के मुताबिक अवैध जल संयोजन के खिलाफ पांच टीम गठित की गयी है. पहले चरण में शहर के वार्ड नंबर 20 से वार्ड 24 तक स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है. अवैध जल संयोजन के अलावा जलकर बकायेदारों पर झारखंड म्यूनिसिपल एक्ट के तहत कार्रवाई होगी. देव विहार रेसीडेंसी, झारूडीह में जो मामला सामने आये हैं, सभी को कागजात के साथ बुलाया गया है. इसके बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी. शहरी क्षेत्र में 38 हजार वैध कनेक्शन हैं. इनमें मात्र 22 हजार उपभोक्ताओं के घरों से वाटर टैक्स का पैसा नगर निगम को मिलता है. 16 हजार उपभोक्ता वर्षों से वाटर टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं. जांच टीम में सिटी मैनेजर, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता व पाइप लाइन इंस्पेक्टर के अलावा एजेंसी को टीम थी,

कुम्हारपट्टी में सेफ्टी टैंक का पानी बहाने पर दो हजार रुपये जुर्माना :
कुम्हारपट्टी में सेफ्टी टैंक का पानी सड़क पर गिराने पर रणजीत कुमार नामक व्यक्ति पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है. फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर जांच की गयी. जांच में सेफ्टी टैंक का पानी सड़क पर गिराने का मामला पकड़ा गया ।

बजट सत्र में विधायक रागिनी सिंह ने आयुष्मान भारत योजना पर पूछा सवाल

श्रमबिंदु / धनबाद /रांची ।

शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र में झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान सदन में आयुष्मान भारत योजना का मामला उठाते हुए कहा कि धनबाद जिला सहित राज्य के अन्य जिलों में आमजनों को चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु अनेकों सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के साथ निजी अस्पतालों में आमजनों के बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने को लेकर आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है लेकिन धनबाद में ऐसे कई सरकारी व निजी स्वास्थ्य केंद्र है जिनमें आयुष्मान भारत योजना के चिकित्सीय लाभ से आमजन को वंचित रखा जा रहा है व उनका इलाज नहीं किया जा रहा है विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने कहा कि वो माननीय

मंत्री जी के जवाब से असंतुष्ट है उनके द्वारा दिए गए जवाब में यह स्पष्ट नहीं है कि धनबाद जिले में कितने सरकारी व निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है स्वास्थ्य विभाग धनबाद जिले के उन सभी सरकारी व निजी अस्पतालों की एक सूची जारी करे जहां इस योजना का लाभ लिया जा सकता है धनबाद जिले में ज्यादातर अस्पतालों में लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है इसपर सरकार को गंभीरता दिखाते हुए स्वास्थ्य विभाग को जल्द से जल्द सूचीबद्ध अस्पतालों में योजना को क्रियान्वित करने का आदेश दी जानी चाहिए निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना के तहत किए गए इलाज का भुगतान सरकार द्वारा समय पर नहीं दिए जाने से निजी अस्पताल इलाज करने को मना कर देते है श्रीमती सिंह ने कहा कि राज्य सरकार को केंद्र सरकार की योजना से जुड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाई पड़ती जिसके कारण योजना को राज्य में प्रभावी ढंग से लागू करने में कमी रह जाती है और इसकी विभागीय जांच करा कर जिन सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना का पालन नहीं हो रहा उनपर कार्यवाही की जाए।

वही दूसरी ओर प्रश्नकाल के दूसरे पाली में झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने सीधे मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन से सुरक्षा मामले सवाल करते हुए कहा कि जिले जब एक विधायक सुरक्षित नहीं तो आम जनता क्या सुरक्षित रहेगी क्योंकि अपराधी खुलेआम फायरिंग कर वहां से निकल जाते है और दोषियों पर कार्यवाही तक नहीं हो रही ऐसे में आम जनता कितनी सुरक्षित रहेगी विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री से इस मामले में स्वथः संज्ञान ले जिले में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद किए जाने को लेकर गंभीरता दिखाए जाने की मांग की है ताकि जिले के लोगो को भयमुक्त वातावरण मिले , जिसपर माननीय मुख्यमंत्री ने इस विषय पर धनबाद जिले के प्रशानिक विधि व्यवस्था को सुदृढ़ किए जाने की बात कही।

दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन पतलबाड़ी के दामोदर वैली टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में

श्रमबिंदु /धनबाद ।

चिरकुंडा, इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में विभिन्न प्रदेशों से पहुंचे शिक्षाविद दामोदर वैली टीचर ट्रेनिंग कॉलेज पतलबाड़ी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें विभिन्न प्रदेशों से दर्जनों शिक्षामित्र पहुंचे, सभी शिक्षाविदों का स्वागत कॉलेज प्रबंधन द्वारा भव्य तरीके से किया गया। अतिथियों को आते ही उनका स्वागत फुलवर्षा कर किया गया, सभी अतिथियों ने विनोद बिहारी महतो के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, उसके बाद अतिथियों को पूरे सम्मान के साथ सभागार में ले जाया गया, उसके बाद दीप प्रचलित कर कार्यक्रम

का शुभारंभ किया गया। जहां पर कॉलेज के शिक्षकों द्वारा अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों ने विमोचन किया, इंक्लूसिव लर्निंग एंड स्पेशल एजुकेशन इन ग्लोबल कंट्री का विषय पर आयोजित सेमिनार में विभिन्न प्रदेशों से आए, शिक्षाविदों ने अपने-अपने विचार रखें, वही कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि आरएस मोर कॉलेज के प्राचार्य प्रवीण कुमार सिंह ने कहा, कि इस तरह के संगोष्ठी का आयोजन आज के युग में काफी आवशयक है। ऐसे संगोष्ठी से न सिर्फ अपने राज्य के बलकी अंतरराष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं को सुनने का मौका मिलता है। यहां के वर्तमान समय में शिक्षा में काफी बदलाव आया है। शिक्षा पर सरकार भी काफी ध्यान दे रही है। दिव्यांग जनों के लिए भी अलग से प्रबंध किया गया है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में कहां की आज के समय में यह बहुत बड़ी चुनौती है। खासकर शिक्षकों के लिए यह चुनौती होगी कि छात्र खुद से उत्तर दे रहे हैं,या गूगल के द्वारा उसे अपनाया गया है। वहीं उन्होंने विश्व गुरु के बारे में पूछे जाने पर कहां की सिर्फ कहने से विश्व गुरु नहीं होगा, बल्कि उसके लिए देश के हर व्यक्ति को समर्पण भाव से काम करना होगा।

अंततः टढछ प्रबंधन मजदूरों के आंदोलन के आगे झुका , मांगा समय

श्रमबिंदु /धनबाद ।चिरकुंडा, यदि 8 मार्च को नहीं हुई सकारात्मक वार्ता तो 9 मार्च से पुन मजदूर अनिश्चितकालीन गेट जाम कर देंगें।
पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत, निरसा में एमपीएल प्रबंधन द्वारा संविदा मजदूर की वेतन वृद्धि की मांगों के साथ चार सूत्री मांगों को लेकर एमपीएल के ढुलमुल नीति के खिलाफ मजदूरों ने शुक्रवार को सुबह से टढछ का गेट जाम कर दिया और प्रबंधन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की दोपहर लगभग 12 बजे प्रबंधन की तरफ से आगामी 8 मार्च को बात करने के लिए लिखित आश्वासन दिया गया। जानकारी देते हुए ज़ूपि सदस्य संजय सिंह एवं मजदूर नेता शयाम कांत पांडे ने बताया कि यदि 8 मार्च को प्रबंधन की तरफ से सकारात्मक वार्ता नहीं होती है और मजदूरों की मांगों को नहीं माना जाता है तो 9 मार्च से अनिश्चितकाल के लिए गेट जाम कर दिया जाएगा।
जिसकी पूरी जवाब देही एमपीएल प्रबंधन की होगी।

धनबाद में हर सुविधा में फिसड्डी है पर टाटा से रांची के बीच हाइपरलूप का सपना होगा साकार !

श्रमबिंदु /धनबाद ।

धनबाद का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हर सुविधाओं से यह जिला महफूज होता जा रहा है। एम्स और हवाई अड्डा हाथ से जाने के बाद भी यह शहर अभी तक उसकी बाट ही जोह रहा है। और तो और यहां से एक भी वंदे भारत ट्रेन की सीधी सेवा मयस्सर नहीं हो पायी है जबकि झारखंड के और जिले इसका लाभ ले रहे हैं। चालू विधानसभा सत्र में भी किसी भी विधायक द्वारा यहां एयरपोर्ट की जमीन के लिए आवाज नहीं उठाई जा रही है।
लगता है कि छलना इस जिले की आदत में जैसे शुमार हो गया है। इस बीच खबर मिली है कि आइआइटी मद्रास के सफल परीक्षण के बाद जमशेदपुर से रांची के बीच हाइपरलूप का सपना साकार होने के आसार बढ़ गये हैं. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इसका सपना देखा था,

आइआइटी मद्रास के सफल परीक्षण से बढ़ी उम्मीदें

» सपना अब बनेगा हकीकत

टाटा से रांची के बीच हाई-स्पीड यात्रा का सपना जल्द ही हकीकत बन सकता है. भारतीय रेलवे के सहयोग से आइआइटी मद्रास द्वारा किये गये सफल हाइपरलूप परीक्षण के बाद इस प्रोजेक्ट की संभावनाएं और मजबूत हो गयी है. टाटा स्टील भी इस महत्वाकांक्षी परियोजना में सक्रिय रूप से शामिल है,

» आइआइटी मद्रास ने किया सफल परीक्षण

आइआइटी मद्रास ने 422 मीटर लंबे हाइपरलूप ट्रैक पर पहली टेस्टिग पूरी कर ली है. इस परीक्षण में 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पॉड्स को दौड़ाने की संभावना का अध्ययन किया गया. रेल मंत्रालय की आर्थिक मदद से विकसित इस प्रोटोटाइप को हाइपरलूप तकनीक की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है.

» टाटा स्टील भी कर रही है काम

हाइपरलूप प्रोजेक्ट में टाटा स्टील भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. 29 दिसंबर 2022 को टाटा स्टील और ट्यूटर हाइपरलूप ने मिलकर आइआइटी मद्रास के साथ एक समझौता किया था, जिसके तहत हाइपरलूप टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर विकसित किया जायेगा. टाटा स्टील, स्टील और कंपोजिट मैटेरियल के डिजाइन और विकास में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग कर रहा है, ताकि हाइपरलूप को वास्तविकता में बदला जा सके,
पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने दिया था प्रस्ताव
टाटा से रांची के बीच हाइपरलूप परियोजना की नींव 2017 में रखी गयी थी, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट सिस्टम की घोषणा की थी. उनका लक्ष्य 2019 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का था, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया. उन्होंने बेलारूस की एक कंपनी से हाईस्पीड ट्रेन टेक्नोलॉजी पर चर्चा करने की बात कही थी. हालांकि, सरकार बदलने के बाद इस योजना पर ज्यादा काम नहीं हो पाया, लेकिन अब रेलवे मंत्रालय और टाटा स्टील की सक्रिय भागीदारी से इस परियोजना के फिर से साकार होने की उम्मीद बढ़ गयी है,

» क्या है हाइपरलूप?

टाटा से रांची के बीच हाइपरलूप का सपना होगा साकार! आइआइटी मद्रास के सफल परीक्षण से बढ़ी उम्मीदें 2
हाइपरलूप एक बेलनाकार, खोखला ट्रैक होता है, जिसमें ऐरोडायनैमिक पॉड्स या कैप्स्यूल बेहद तेज गति से चलते हैं. यह तकनीक भविष्य के परिवहन साधनों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है और यात्रा के समय को काफी कम कर सकती है,

» झारखंड के लिए क्या होगा फायदा?

यदि टाटा से रांची के बीच हाइपरलूप का प्रोजेक्ट साकार होता है, तो झारखंड में यातायात के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा. इससे न सिर्फ लोगों का समय बचेगा, बल्कि उद्योगों और व्यापार को भी नई गति मिलेगी. साथ ही, यह प्रोजेक्ट झारखंड को आधुनिक परिवहन तकनीक में अग्रणी बना सकता है,

» क्या होगा अगला कदम?

आइआइटी मद्रास के परीक्षण के बाद अब हाइपरलूप पॉड्स की उच्च गति पर टेस्टिग की जायेगी. इसके बाद, रेलवे मंत्रालय और टाटा स्टील इस तकनीक को व्यावहारिक बनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ायेंगे. यदि सब कुछ योजना के अनुसार चला, तो आने वाले वर्षों में टाटा से रांची के बीच हाइपरलूप चलने का सपना सच हो सकता है।

में मरने के बाद भी चैन नहीं एसएनएमएमसीएच में ! महीनों से मोर्चरी का फ्रीजर खराब, सड़ रही हैं लाशें

श्रमबिंदु /धनबाद । धनबाद के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का है। जहां मेडिकल कॉलेज प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। यहां मोर्चरी के डीप फ्रीजर कई महीनों से खराब पड़े हैं और लाशें सड़ गई हैं। प्रबंधन हैं कि इस समस्या का हल निकालने की बजाय एक दूसरे पर आरोप मढ़ दे रहे हैं।

स्वामी, शिव श्रीवास्तव के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक संतोष पाठक द्वारा फ्लैट नं. 4 ई नलिनी पैलेस, एलबर्ट कम्पाउंड पुरुलिया रोड, रांची 8340 01 से प्रकाशित तथा फारूकी तंजीम प्रेस चटर्जी कम्पाउन्ड बहुबाजार से मुद्रित।
संपादक संतोष पाठक *पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार चयन हेतु जिम्मेदार मो. 7979985594 ईमेल - shrambindujharkhand@gmail.com